www.bharatsamvad.in
R.N.I.No- UPHIN/2009/30939

सत्य का स्वर
भारत संवाद
प्रयागराज, लखनऊ तथा मुम्बई से एक साथ प्रकाशित

ऐप में पढ़े E-PAPER भारत संवाद
Scan for E-Paper or Search on Play store Bharat Samvad E-Paper

मौसम
अधिकतम तापमान 39.c
30.c न्यूनतम तापमान

बाजार
सोना 101.700g
चांदी 106.000 kg

2 फैसला मालेगांव ब्लास्ट ही नहीं, 'भगवा आतंकवाद' वाली राजनीति पर भी आया है
अमेरिका ने पाकिस्तान से ऑयल डील की 06

वर्ष :17 | अंक :121 | प्रयागराज ,शुक्रवार 01 अगस्त 2025 | पृष्ठ : 06 | मूल्य : 1 : 00 रुपए

संक्षिप्त समाचार

घर में पंखे से लटका मिला पुलिस कांस्टेबल का शव

बिहार के पटना स्थित अपने आवास में एक पुलिस कांस्टेबल का शव पंखे से लटका हुआ पाया गया।एक अधिकारी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। उप-मंडल पुलिस अधिकारी (एसडीपीओ) कानून व्यवस्था-1 (पटना) कृष्ण मुरारी प्रसाद ने बताया कि कांस्टेबल अशोक कुमार सिंह ने बुधवार को बुद्ध कॉलोनी स्थित अपने आवास पर कथित तौर पर आत्महत्या कर ली।एसडीपीओ ने कहा, हमें सूचना मिली है कि सिंह ने पुलिस लाइन इलाके में अपने घर के पंखे से लटककर आत्महत्या कर ली।एक टीम मौके पर पहुंची और उनके शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।पड़ोसियों के अनुसार, सिंह अपने परिवार के साथ रह रहे थे लेकिन घटना के समय वह अपने घर पर अकेले थे क्योंकि उनकी पत्नी मंगलवार को अपने माता-पिता के घर गई हुई थीं।एसडीपीओ ने बताया कि घटना का सही कारण अभी पता नहीं चल पाया है। उन्होंने कहा कि फोरेंसिक विशेषज्ञों ने मौके से साक्ष्य एकत्र किए हैं और मौजूदा मानदंडों के अनुसार अन्य कानूनी औपचारिकताएं पूरी की जा रही हैं।

विवाद में युवक की हत्या, तीन लोग गिरफ्तार एक नाबालिग भी पकड़ा गया

पूर्वी दिल्ली के गाजीपुर इलाके में मोमो विक्रेता से विवाद के बाद 28 वर्षीय युवक की कथित तौर पर चाकू मारकर हत्या कर दी गई जबकि उसका दोस्त घायल हो गया। पुलिस के एक अधिकारी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि घटना के सिलसिले में एक किशोर को पड़ा गया है तथा तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के अनुसार, बुधवार रात एक जन्मदिन समारोह के दौरान युवक विकास वालेचा (एक कंपनी में सेल्स मैनेजर) ने अपने दोस्तों को मोमो विक्रेता सलमान के साथ हुई हालिया बहस के बारे में बताया, फिर उन्होंने उससे भिड़ने का फैसला किया। पुलिस उपायुक्त (पूर्व) अभिषेक धानिया ने कहा, रात करीब 10.30 बजे, वे तीन गाड़ियों में गाजीपुर में सीएनजी पंप के पास पेपर मार्केट गए। उन्होंने शराब की एक दुकान के पास सलमान को देखा और उससे भिड़ गए।सलमान ने इस दौरान अपने साथियों को बुला लिया और झड़प के बीच वालेचा को चाकू मार दिया गया, जबकि उसके दोस्त सुमित शर्मा का पैर टूट गया। विकास और सुमित दोनों नोएडा के सेक्टर 5 स्थित एक निजी कंपनी में काम करते थे। डीसीपी ने कहा, फरीदाबाद के एनआईटी सेक्टर 5 निवासी विकास को एलबीएस अस्पताल में मृत घोषित कर दिया गया जबकि शर्मा का इलाज जारी है।

2008 मालेगांव ब्लास्ट मामले में साध्वी प्रज्ञा समेत सभी आरोपी बरी

एनआईए कोर्ट का बड़ा फैसला ,महाराष्ट्र के मालेगांव में हुए विस्फोट में छह लोगों की मौत के मामला

बड़ा फैसला

▸▸विशेष एनआईए अदालत ने पूर्व भाजपा सांसद प्रज्ञा सिंह ठाकुर और लेफ्टिनेंट कर्नल प्रसाद पुरोहित समेत सभी सातों आरोपियों को बरी किया। 2भाजपा की पूर्व सांसद प्रज्ञा सिंह ठाकुर और लेफ्टिनेंट कर्नल प्रसाद पुरोहित समेत सभी सात आरोपी अदालत में उपस्थित हुए थे।

एजेंसी

महाराष्ट्र । विशेष एनआईए अदालत ने पूर्व भाजपा सांसद प्रज्ञा सिंह ठाकुर और लेफ्टिनेंट कर्नल प्रसाद पुरोहित समेत सभी सातों आरोपियों को बरी किया।2भाजपा की पूर्व सांसद प्रज्ञा सिंह ठाकुर और लेफ्टिनेंट कर्नल प्रसाद पुरोहित समेत सभी सात आरोपी अदालत में उपस्थित हुए थे।

फैसले की चुनौती देंगे पीड़ित परिवार, सुप्रीम कोर्ट में लगाएंगे न्याय की गुहार

मुंबई: पिछले 17 साल से इंसाफ की प्रतीक्षा कर रहे 'मालेगांव बम विस्फोट मामले' के पीड़ित परिवारों ने अदालत द्वारा सभी आरोपियों को बरी किए जाने पर अपनी नाराजगी व्यक्त की है . उन्होंने कहा कि उन्हें न्याय चाहिए और इसके लिए वह हाई कोर्ट या सुप्रीम कोर्ट में गुहार लगाएंगे . बता दें कि मालेगांव के बड़ा कब्रिस्तान में हुए बम विस्फोट मामले में साध्वी प्रज्ञा सिंह ठाकुर, कर्नल प्रसाद पुरोहित और सात अन्य को अपराधी मानकर गिरफ्तार किया गया था . इसके बाद यह मामला 17 साल तक चलता रहा

मालेगांव विस्फोट के आरोपियों के बरी होने पर भड़के ओवैसी

सरकार पर साधा निशाना, कहा– आतंकवाद के आरोपी को सांसद बनाया

नई दिल्ली : ऑल इंडिया मजलिस इत्तेहादुल मुस्लिमीन प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने गुरुवार को 2008 के मालेगांव विस्फोट मामले में सभी आरोपियों को बरी किए जाने पर निराशा व्यक्त की . उन्होंने इसे जानबूझकर की गई घटिया जांच और प्रॉसिक्यूशन का नतीजा करार दिया .

ट्रंप ने बिल्कुल सही कहा है... भारत एक डेड इकोनॉमी है

बोले राहुल गांधी- प्रधानमंत्री और वित्त मंत्री को छोड़कर यह सबको पता है

> राहुल गांधी ने कहा कि विदेश मंत्री भाषण देते हैं और कहते हैं कि हमारी विदेश नीति बहुत अच्छी है।एक तरफ अमेरिका आपको गाली दे रहा है, दूसरी तरफ चीन आपके पीछे पड़ा है।जब आप अपना प्रतिनिधिमंडल दुनिया में भेजते हैं, तो कोई भी देश पाकिस्तान की निंदा नहीं करता।वे इस देश को कैसे चला रहे हैं? पूरी तरह से भ्रम की स्थिति है।

> उन्होंने विदेश मंत्री एस जयशंकर की एक टिप्पणी का हवाला देते हुए कहा, विदेश मंत्री कहते हैं कि हमारी शानदार विदेश नीति है।एक तरफ अमेरिका आपको गाली दे रहा है, दूसरी तरफ चीन आपके पीछे पड़ा हुआ है।पूरी दुनिया में आप प्रतिनिधिमंडल भेजते हैं तो पाकिस्तान की एक भी देश निंदा नहीं करता है।राहुल गांधी ने आरोप लगाया, ये लोग (मोदी सरकार) देश को कैसे चला रहे हैं।इन्हें देश चलाना नहीं आता है।पूरी तरह ऊहापोह की स्थिति है।

एजेंसी

नई दिल्ली। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने बृहस्पतिवार को दावा किया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को छोड़कर सब जानते हैं कि भारत एक डेड इकोनॉमी (बर्बाद अर्थव्यवस्था) है तथा भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने यह स्थिति पैदा की है। उन्होंने यह दावा भी किया कि अमेरिका के साथ व्यापार समझौता ट्रंप की शर्तों पर होगा और प्रधानमंत्री मोदी वही करेंगे, जो अमेरिकी राष्ट्रपति कहेंगे। ट्रंप ने भारत से आयात पर 25

प्रतिशत का शुल्क (टैरिफ) लगाने की घोषणा करने के कुछ घंटों बाद एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि भारत और रूस अपनी बर्बाद अर्थव्यवस्थाओं को एक साथ गर्त में ले जा सकते हैं और उन्हें इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। अमेरिकी राष्ट्रपति की इस टिप्पणी के बारे में पूछे जाने पर राहुल गांधी ने संसद परिसर में संवाददाताओं से कहा, वह सही हैं।

भारत राष्ट्रीय हितों की रक्षा के लिए सभी कदम उठाएगा

ट्रंप के 25% टैरिफ पर बोले केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल

> लोकसभा में बोलते हुए, गोयल ने आगे कहा कि केंद्र सरकार ट्रंप के 25 प्रतिशत टैरिफ लगाने के फैसले के प्रभावों की जांच कर रही है।वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि केंद्र ने ट्रम्प के बयान पर ध्यान दिया है और वर्तमान में इसके प्रभावों का अध्ययन कर रहा है।

एजेंसी

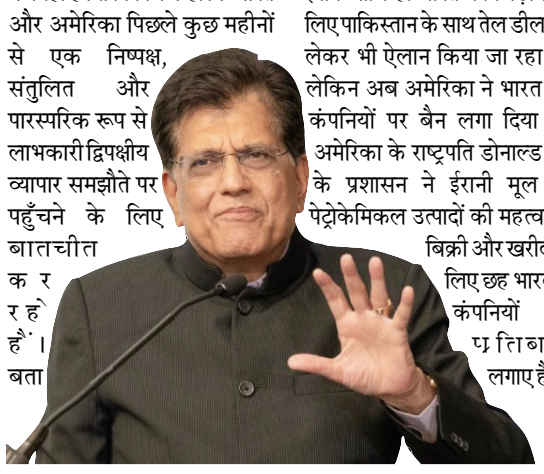

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने गुरुवार को कहा कि केंद्र सरकार देश के राष्ट्रीय हितों की रक्षा के लिए सभी कदम उठाएगी।यह बात अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारत पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाने की घोषणा के एक दिन बाद कही गई।उन्होंने नई दिल्ली द्वारा रूसी तेल और हथियार खरीदने के फैसले का हवाला दिया।लोकसभा में बोलते हुए, गोयल ने आगे कहा कि केंद्र सरकार ट्रंप के 25 प्रतिशत टैरिफ लगाने के फैसले के प्रभावों की जांच कर रही है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि केंद्र ने ट्रम्प के बयान पर ध्यान दिया है और वर्तमान में इसके प्रभावों का अध्ययन कर रहा है।सरकार ने कहा कि भारत और अमेरिका पिछले कुछ महीनों से एक निष्पक्ष, संतुलित और पारस्परिक रूप से लाभकारी द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर पहुँचने के लिए बातचीत कर रहे हैं। बता दें कि ट्रंप ने भारत पर 25 प्रतिशत का टैरिफ लगाने का ऐलान किया है, जो कि 1 अगस्त 2025 से लागू होगा। ये फैसला भारत और अमेरिका के बीच कूटनीतिक और व्यापारिक रिश्तों में तनाव पैदा कर सकते हैं। आपको बता दें कि डोनाल्ड ट्रंप ने भारत के चीन और रूस के साथ व्यापार करने पर नाराजगी जताई है। ट्रंप ने एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा है कि भारत हमारा दोस्त है, लेकिन उनके ऊंचे टैरिफ और रूस से सैन्य उपकरण और ऊर्जा खरीद ने उनकी नीतियों को लेकर चिंता है। खासकर तब जब दुनिया यूक्रेन में रूस की हिंसा रोकना चाहती है। इस आधार पर उन्होंने भारत पर 25 प्रतिशत टैरिफ और एक एक्स्ट्रा पैनल्टी लगाने का ऐलान किया है। इसके अलावा अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप की तरफ से लगातार भारत और रूस को लेकर बयानबाजी भी सामने आ रही है। इसके साथ ही भारत को चिढ़ाने के लिए पाकिस्तान के साथ तेल डील को लेकर भी ऐलान किया जा रहा है। लेकिन अब अमेरिका ने भारत की कंपनियों पर बैन लगा दिया है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन ने ईरानी मूल के पेट्रोकेमिकल उत्पादों की महत्वपूर्ण बिक्री और खरीद के लिए छह भारतीय कंपनियों पर प्रतिबंध लगाए हैं।

ट्रंप के टैरिफ वाले दांव पर भाजपा बोली, भारत अपने हित में काम करेगा, दबाव में नहीं आएगा

> जायसवाल ने कहा कि जब अटल बिहारी वाजपेयी जी ने परमाणु विस्फोट किया था, तब अमेरिका ने भी यही किया था।उसके बाद, गैर-भारतीय लोगों का इतना बड़ा समर्थन मिला कि डॉलर का मूल्य गिर गया।

एजेंसी

नयी दिल्ली। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा भारतीय वस्तुओं पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाने की घोषणा पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेता और सांसद संजय जायसवाल ने इसकी तुलना तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व में भारत के 1998 के परमाणु परीक्षणों के बाद संयुक्त राज्य अमेरिका द्वारा लगाए गए प्रतिबंधों से की।एएनआई से बात करते हुए, भाजपा नेता संजय जायसवाल ने कहा कि भारत ने हमेशा अपने संप्रभु हित में काम किया है और बाहरी दबाव की परवाह किए बिना ऐसा करता रहेगा। जायसवाल ने कहा कि जब अटल बिहारी वाजपेयी जी ने परमाणु विस्फोट किया था, तब अमेरिका ने भी यही किया था। उसके बाद, गैर-भारतीय लोगों का इतना बड़ा समर्थन मिला कि डॉलर का मूल्य गिर गया। किसी तीसरे देश को किसी अन्य देश के साथ हमारे संबंधों की प्रकृति पर टिप्पणी करने की कोई आवश्यकता नहीं है।

हम हर देश के साथ अच्छे संबंध बनाए रखना चाहते हैं और भविष्य में भी ऐसा करते रहेंगे।इसी तरह की राय व्यक्त करते हुए, पश्चिम बंगाल भाजपा अध्यक्ष और सांसद समिक भट्टाचार्य ने अमेरिकी राष्ट्रपति के कदम की आलोचना करते हुए कहा कि भारत पर दबाव की रणनीति से दबाव नहीं डाला जा सकता।

सम्पादकीय

वनों की कटाई की वजह से खतरे में बाघ, पर्यावरण को बचाना बड़ी चुनौती

राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण की ओर से जारी रपट भी इस ओर इशारा करती है, जिसमें कहा गया है कि वर्ष 2021 से 2025 के दौरान देश भर में 667 बाघों की मौत हुई है। इनमें से 341 बाघों की मौत अभयारण्यों से बाहर हुई है। देश भर के जंगलों में जिस तरह से अतिक्रमण और खनन के साथ मानवीय हस्तक्षेप बढ़ा है, उससे बाघों का सुरक्षित पर्यावास खतरे में है। वनों की लगातार कटाई ने उनके लिए आहर की चुनौतियां भी बढ़ा दी हैं। जंगलों के भीतर सड़कों के निर्माण और कोलाहल बढ़ने से प्राकृतिक माहौल का संतुलन बिगड़ा है। नतीजा यह कि अब बाघ जंगलों से बाहर निकल रहे हैं। भोजन-पानी की तलाश में भटकते ये वन्य जीव मनुष्यों के लिए तो खतरा बने ही हैं, साथ ही उनके जीवन पर भी संकट बढ़ रहा है।पिछले कुछ वर्षों में मनुष्यों और वन्य जीवों के बीच संघर्ष की घटनाओं में इजाफा हुआ है। राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण की ओर से जारी रपट भी इस ओर इशारा करती है, जिसमें कहा गया है कि वर्ष 2021 से 2025 के दौरान देश भर में 667 बाघों की मौत हुई है।इनमें से 341 बाघों की मौत अभयारण्यों से बाहर हुई है।इस रपट ने अभयारण्यों की देखरेख में बरती जा रही लापरवाही को भी उजागर किया है।बाघों के लिए जंगल छोटे पड़ रहे हैं।सवाल है कि अभयारण्यों में आवाजाही के लिए बने गलियारों से बाघ और तेंदुए गांवों एवं शहरों तक कैसे पहुंच जाते हैं? क्या उनके लिए जंगल छोटे पड़ रहे हैं। क्या बाघों की निगरानी के लिए अब तक मजबूत तंत्र नहीं बन पाया है? अगर कहीं बाड़बंदी नहीं है और बाघ निर्धारित दायरे से बाहर निकलते हैं, तो समय रहते ऐसी घटनाओं का पता क्यों नहीं लगाया जाता। ड्रोन जैसी आधुनिक तकनीक के बावजूद बाघों की नियमित निगरानी क्यों संभव नहीं हो पा रही है।चेस महिला विश्वकप जीतने वाली पहली महिला बनीं दिव्या देशमुख, 19 साल की उम्र में हासिल किया था ग्रैंडमास्टर का तमगाएक सवाल यह भी उठ रहा है कि क्या जंगलों में बाघों के लिए भोजन का अभाव है? मध्य प्रदेश में दो दशकों में जिस तरह वनों की कटाई हुई है, उसका परिणाम सामने हैं। यहां चार वर्ष के भीतर अभयारण्यों से बाहर निकले नब्बे बाघों की मौत कोई साधारण घटना नहीं है। शासन व प्रशासन को बाघों की संख्या बढ़ाने के साथ-साथ उनकी सुरक्षा पर भी ध्यान देना होगा। यह सब आधी-अधूरी योजनाओं से नहीं, बल्कि नवोन्मेषी उपायों से ही संभव हो पाएगा।

आज का विचार

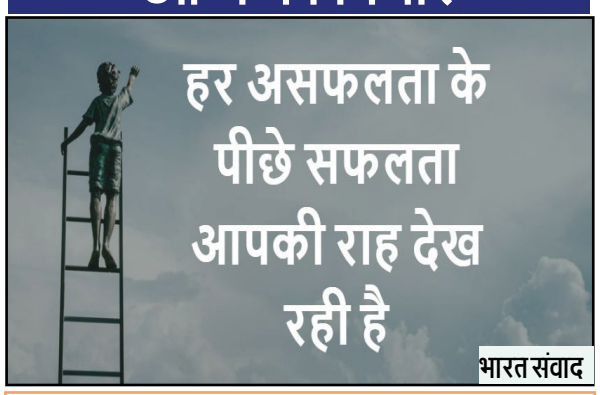

फैसला मालेगांव ब्लास्ट ही नहीं, 'भगवा आतंकवाद' वाली राजनीति पर भी आया है

17 साल तक चले मालेगांव ब्लास्ट केस के सभी आरोपी बरी कर दिए गए हैं. कोर्ट का कहना है कि आरोप साबित करने के लिए पर्याप्त सबूत नहीं थे. केस का कानूनी पक्ष तो अपनी जगह है, ये फैसला भगवा आतंकवाद के राजनीतिक नैरेटिव पर भी सवाल खड खड़े करता है

पा मालेगांव ब्लास्ट केस के सभी 7 आरोपी बरी कर दिये गये हैं. अपने फैसले में स्पेशल ठकअ कोर्ट ने कहा है, 'कोई भी सबूत विश्वसनीय नहीं है.' अदालत ने अभिनव भारत संस्था को भी मालेगांव ब्लास्ट के आरोपों से बरी कर दिया. ये सिर्फ प्रज्ञा ठाकुर और कर्नल प्रसाद पुरोहित के लिए ही राहत की बात नहीं है, बल्कि स्पेशल कोर्ट के फैसले के ये तब की बात है जब महाराष्ट्र में कांग्रेस और केंद्र में कांग्रेस के नेतृत्व वाली यूपीए की सरकार थी. महाराष्ट्र में बम विस्फोट और आतंकवादी हमलों की कई घटनाएं हो चुकी हैं, लेकिन मालेगांव ब्लास्ट के बाद भगवा आतंक बताकर हिंदूवादी संगठनों को राजनीतिक रूप से निशाना बनाया गया. ऑपरेशन सिंदूर पर बहस के दौरान 24 घंटे पहले ही केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा है, कांग्रेस ने वोटबैंक की राजनीति के लिए भगवा आतंकवाद का झूठा सिद्धांत गढ़ा... हिंदू कभी आतंकवादी नहीं हो सकता है. मालेगांव केस पर आये फैसले ने एक बार फिर बीजेपी और कांग्रेस को आमने सामने ला दिया है. ये फैसला जहां बीजेपी को हिंदू विरोधी राजनीति पर हमले का मौका दे रहा है, वहीं कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों को बचाव की मुद्रा में ला दिया है. पूर्व बीजेपी सांसद प्रज्ञा सिंह ठाकुर के लिए ये बहुत बड़ा दिन है, और एक अन्य आरोपी कर्नल प्रसाद पुरोहित के लिए भी. मालेगांव ब्लास्ट केस में सात आरोपी थे भोपाल से बीजेपी सांसद रह चुकीं साध्वी प्रज्ञा सिंह ठाकुर, लेफ्टिनेंट कर्नल प्रसाद पुरोहित, रिटायर्ड मेजर रमेश उपाध्याय, सुधाकर चतुर्वेदी, अजय राहिरकर, सुधाकर धर द्विवेदी और समीर कुलकर्णी. स्पेशल कोर्ट के फैसले में क्या है29 सितंबर 2008 को मालेगांव के भीकू चौक पर एक दोपहिया वाहन में बम विस्फोट हुआ,

जिसमें 6 लोगों की मौत हो गई और 101 लोग घायल हुए. मृतकों की पहचान फरहीन उर्फ शगुफ्ता शेख लियाकत, शेख मुश्ताक यूसुफ, शेख रफीक मुस्तफा, इरफान जियाउल्लाह खान, सैयद अजहर सैयद निसार और हारून शाह मोहम्मद शाह के रूप में हुई थी. स्पेशल कोर्ट ने माना है कि ये घटना समाज के खिलाफ एक गंभीर अपराध थी, लेकिन कानून में सजा देने के लिए सिर्फ नैतिक आधार नहीं, मजबूत सबूत ही जरूरी होते हैं. कोर्ट के मुताबिक, आरोपियों के खिलाफ भरोसा करने लायक और पुख्ता सबूत नहीं मिला है, इसलिए सभी को बरी किया जाता है. 1. स्पेशल जज एके लाहोटी ने अपने फैसले में कहा है, अदालत इस नतीजे पर पहुंची है कि बम मोटरसाइकिल के बाहर रखा गया था, न कि उसके अंदर. 2. कौर्ट का कहना है, अहम गवाहों ने प्रॉसिक्यूशन का समर्थन नहीं किया... प्रॉसिक्यूशन साजिश रचने के आरोपों को साबित करने में नाकाम रहा है. 3. ऐसा कोई सबूत उपलब्ध नहीं है, जिससे साबित होता हो कि कर्नल पुरोहित ने ही फऊ लाया था, या बम असेंबल किया गया था. ये भी साफ नहीं है कि बम वाली मोटरसाइकिल वहां किसने खड़ी की, जबकि इलाका रमजान के चलते पहले से ही सील कर दिया गया था. घटन के बाद पत्थरबाजी किसने की? नुकसान किसने पहुंचाया या फिर पुलिस की बंदूक छीनने जैसी घटनाओं पर कोई स्पष्ट सबूत नहीं है. 4. स्पॉट पंचनामा में खामियां थीं... वाहन के चेसिस नंबर को मिटा दिया गया था, और दोबारा रिस्टोर नहीं किया गया... ऐसा कोई ठोस सबूत नहीं है कि वो मोटरसाइकिल साध्वी प्रज्ञा की ही थी. 'भगवा आंतक' की राजनीति और एक कानूनी फैसला मालेगांव विस्फोट केस में विशेष एनआईए कोर्ट ने साफ तौर पर कहा है, आतंकवाद का कोई धर्म नहीं होता, क्योंकि कोई भी धर्म हिंसा की इजाजत नहीं देता – कोर्ट का ये स्टेटमेंट धर्म और राजनीति दोनों के लिहाज से बेहद अहम है. जाहिर है, ये फैसला सिर्फ प्रज्ञा ठाकुर ही नहीं, बल्कि हिंदुत्व की राजनीति करने वाले सभी नेताओं के लिए महत्वपूर्ण है. फैसले पर पहली प्रतिक्रिया में साध्वी प्रज्ञा सिंह ठाकुर ने कहा भी है, 'ये मेरे अकेले की जीत नहीं है. ये भगवा की भी जीत है.' देखा जाये तो ये फैसला मौजूदा माहौल में बीजेपी के हिंदुत्व के एजेंडे को सपोर्ट कर रहा है. ऑपरेशन सिंदूर के जरिये बने राष्ट्रवाद के माहौल में ये फैसला हिंदुत्व का तड़का है. राष्ट्रवाद और हिंदुत्व के बूते ही बीजेपी की राजनीति आगे बढ़ती है और बिहार के आगे भी पश्चिम बंगाल और केरल विधानसभा चुनावों में भी बीजेपी ये भुनाने की पूरी कोशिश करेगी. – 2014 से पहले कांग्रेस के जो नेता भगवा आतंक पर आक्रामक देखे जाते थे, एनआईके कोर्ट के फैसले ने एक झटके में बचाव की मुद्रा में ला दिया है. प्रज्ञा ठाकुर और कर्नल प्रसाद पुरोहित पूरे 17 साल भगवा आंतक के आरोपों के साये में बने रहे. 2019 में प्रज्ञा ठाकुर ने भोपाल लोकसभा सीट पर कांग्रेस के दिग्विजय सिंह को हराया था, जो भगवा आतंक को हमेशा ही जोर शोर से पेश करते रहे हैं. लोकसभा पहुंचने के बाद प्रज्ञा ठाकुर बाकी सवालों के घेरे में तो रहीं ही, नाथूराम गोडसे को देशभक्त बताने के बाद बुरी तरह फंस गई. बीजेपी ने भी समर्थन से हाथ खींच लिए और माफी मांगने को मजबूर होना पड़ा. लेकिन, प्रज्ञा ठाकुर के लिए सबसे बड़ा सदमा था, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नाराजगी. प्रज्ञा ठाकुर को लेकर तब प्रधानमंत्री मोदी ने कहा था, मन से कभी माफ नहीं कर पाऊंगा. सवाल है कि क्या मालेगांव ब्लास्ट केस में बरी होने के बाद साध्वी प्रज्ञा सिंह ठाकुर को मोदी की माफी मिल पाएगी? भगवा आतंक और बीजेपी का स्टैंड ऑपरेशन सिंदूर पर हुई चर्चा के दौरान केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने राज्यसभा में कहा, वोट बैंक की राजनीति के लिए कांग्रेस ने भगवा आतंकवाद का झूठा सिद्धांत गढ़ा... मैं गर्व से कह सकता हूं कि कोई भी हिंदू कभी आतंकवादी नहीं हो सकता... कांग्रेस ने बहुसंख्यक समुदाय को बदनाम करने की कोशिश की, लेकिन भारत की जनता ने झूठ को नकार दिया. अमित शाह के भाषण के ठीक अगले दिन मालेगांव ब्लास्ट केस में फैसला आया है. 26/11 के मुंबई हमलों का जिक्र करते हुए अमित शाह ने कहा कि कुछ लोग लश्कर-ए-तैयबा के आतंकी हमलों को लेकर हिंदुत्ववादी संगठनों को दोषी ठहराने की कोशिश कर रहे थे... कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह भी इसमें शामिल थे... कांग्रेस ने वोट के लिए आतंकवाद को धार्मिक रंग देने की कोशिश की, लेकिन भारत के लोगों ने झूठ को स्वीकार नहीं किया. भारतीय जनता पार्टी के नेता बृजलाल का कहना है कि भगवा आतंकवाद का सिर्फ नैरेटिव रचा गया... ये पूरी साजिश थी... आज कोर्ट ने जो फैसला किया है उससे मैं बहुत खुश हूं... गृह मंत्री ने भी कहा है कि हिंदू कभी आतंकवादी नहीं हो सकता. भोजपुरी फिल्म स्टार और गोरखपुर से बीजेपी सांसद रवि किशन कहते हैं, कल गृह मंत्री ने साफ कर दिया कि हिंदू कभी आतंकवादी नहीं हो सकता... भगवा आतंकवाद को गढ़ा गया जो गलत था. कांग्रेस इसका जवाब दे बाकी बातें अपनी जगह हैं, लेकिन मालेगांव केस की ही तरह हाल भी में मुंबई ट्रेन ब्लास्ट केस को लेकर आए फैसले में भी सभी आरोपियों को बरी कर दिया गया था. महाराष्ट्र सरकार ने फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चैलेंज किया है देखना है, महाराष्ट्र सरकार एनआईए कोर्ट के फैसले को ऊपरी अदालत में चुनौती देती है या नहीं?

राशिफल

मेष राशि: व्यापार के मामले में दिन अच्छा रहने वाला है। अगर आपका कोई काम लंबे समय से बीच में अटका हुआ है, तो वह शाम के समय पूरा हो सकता है, जिससे मानसिक तनाव कम होगा। जीवनसाथी का भी आपको पूरा सहयोग प्राप्ति होगा।

वृषभ राशि : कार्यक्षेत्र में शांति और संयम के साथ काम करने से आपको सफलता मिलेगी। जो लोग राजनीतिक क्षेत्र से जुड़े हुए हैं उन्हें अपने प्रयासों का अब शुभ परिणाम प्राप्त हो सकता है। शासन और सत्ता अच्छी दोस्ती या बातचीत होने से आपको लाभ मिल सकता है। मिथुन राशि करियर राशिफल : यात्रा के दौरान सतर्क रहना जरूरी

मिथुन राशि: किसी भी यात्रा के दौरान आपको सावधान रहने की जरूरत होगी, अन्यथा कोई मूल्यवान वस्तु खोने या चोरी होने का डर बना रहेगा। अगर कार्यक्षेत्र में आपके जरूरी काम रुके हुए थे तो अब वे पूरे होने लगेंगे। आपको अपने प्रोजेक्ट से जुड़ा को शुभ समाचार भी सुनने को मिल सकता है, जिससे मन प्रसन्न रहेगा।

कर्क राशि: आपके लिए यह दिन शुभ रहने वाला है। उत्तम संपत्ति की प्राप्ति हो सकती है और जीवन में सफलता के नए मार्ग खुलने लगेंगे। साथ ही, समाज में भी आपके मान-सम्मान और प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। व्यापार में कामकाज के सिलसिले में की गई यात्रा आपके लिए सुखद और लाभदायक हो सकती है।

सिंह राशि : राशि का स्वामी सूर्य कर्क राशि द्वादश भाव में है। इससे नौकरी में आपके लिए आमदनी के नए स्रोत बनने शुरू हो सकते हैं। वहीं, कार्यस्थल पर अपनी मधुर वाणी से आपको सम्मान प्राप्त होगा और मन प्रसन्न रहेगा। साथ ही, आपके विरोधी आपका कुछ नहीं बिगाड़ पाएंगे।

कन्या राशि: आपका दिन भाग्यशाली रहने वाला है और पराक्रम में वृद्धि कराने वाला होगा। रोजगार और व्यापार के क्षेत्र में आपके द्वारा किए गए प्रयासों से अब बड़ी सफलता प्राप्त हो सकती है। यह आपके अपेक्षा से ज्यादा हो सकती है। अगर किसी कानूनी विवाद में फंसे थे तो अब आपको जीत मिल सकती है

तुला राशि: दिन सामान्य से बेहतर रहने वाला है। आपके चारों और खुशहाली भरा वातावरण बना रहेगा। आर्थिक मामलों में अगर कई दिनों से पैसों की लेन-देन को लेकर समस्या चल रही थी तो अब वह हल हो सकती है। इससे आपको अब पर्याप्त मात्रा में धन लाभ भी होगा और सुख में वृद्धि होगी।

वृश्चिक राशि: आपके साहस और पराक्रम में वृद्धि होगी। जरूरी मामलों में परिवार का भी पूरा सहयोग प्राप्त होगा। व्यापार करने वालों को अपने आसपास के छोटे-छोटे अवसरों को भी पहचानना होगा

धनु राशि: कार्यक्षेत्र में आपके विरोधी आपके काम और रचनात्मक सोच की प्रशंसा करेंगे। शासन व सत्ता पक्ष से अच्छी जान पहचान और बातचीत होने से आपको बड़ा लाभ प्राप्त हो सकता है। आर्थिक मामले में आपको ससुराल पक्ष से पर्याप्त मात्रा में धन का सहयोग मिल सकता है।

मकर राशि: रोजगार और व्यापार के मामले में दिन अच्छा रहने वाला है। आर्थिक मामलों में आपको सफलता प्राप्त हो सकती है और कार्यक्षेत्र में नए प्रोजेक्ट और प्रयास उन्नति के मार्ग पर आगे बढ़ेंगे। कार्यस्थल पर आपको सहकर्मियों की ओर से भी पूर्ण सहयोग प्राप्त होगा।

कुंभ राशि: कार्यक्षेत्र में आपको विरोधियों से सावधान रहना होगा। वे आपके खिलाफ कोई रणनीति बना सकते हैं। साथ ही, आर्थिक मामलों में भी समय अनुकूल नहीं रहेगा। मीन राशि करियर राशिफल : यात्राओं के दौरान रहें सावधान

मीन राशि: आर्थिक मामले में आपको अपने ससुराल पक्ष से पैसों की लेन-देन करने से बचना होगा। ऐसा करने से संबंध खराब होने का भय बना रहेगा। व्यापार से जुड़ी यात्राओं में सावधान रहने की जरूरत है, अन्यथा को मूल्यवान वस्तु खोने की संभावना है।

ज्योतिष सेवा केन्द्र
ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

एआई का विस्तार या नौकरी का संकुचन: बड़ी चुनौती

ललित गर्ग

भारत जैसे युवाओं वाले और उभरती अर्थव्यवस्था वाले देश में तकनीकी विकास के प्रति उत्साह हमेशा गहरा रहा है। डिजिटल इंडिया, स्टार्टअप क्रांति और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) जैसी तकनीकें समाज, राष्ट्र और अर्थव्यवस्था में तीव्र बदलाव की सारथि बनी हैं। हर वर्ग और क्षेत्र ने इस परिवर्तन को आशा एवं सकारात्मकता के साथ अपनाया है, इस उम्मीद में कि तकनीकी तरक्की के साथ रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे। लेकिन हाल ही में आईटी क्षेत्र की प्रतिष्ठित कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) द्वारा 12,000 से अधिक कर्मचारियों की छंटनी की घोषणा ने इस उम्मीद पर पानी फेर दिया और इसे बड़ा झटका दिया है। निस्संदेह, छंटनी का यह फैसला आईटी क्षेत्र में आसन्न संकट की आहट को ही दर्शाता है। छंटनी बाबत टीसीएस की दलील है कि इन नौकरियों में कटौती कौशल की कमी और अपने विकसित होते व्यावसायिक मॉडल में कुछ कर्मचारियों को फिर से नियुक्त करने में असमर्थता के चलते की गई है। हालांकि, कंपनी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी का दावा है कि इस कदम के पीछे एआई से प्रेरित उत्पादकता वृद्धि नहीं है। यह संख्या कंपनी के कुल कार्यबल का लगभग 2 प्रतिशत है, और मुख्यतः मध्यम और वरिष्ठ स्तर के कर्मचारियों को प्रभावित करेगी।

एआई और ऑटोमेशन केवल तकनीक नहीं हैं, वे कार्य संस्कृति, संगठन संरचना और मानव संसाधन नीति को मूल रूप से बदल रहे हैं। कई रिपोर्टों के अनुसार, एआई से प्रेरित उत्पादकता और लागत में कटौती की प्रवृत्ति बढ़ रही है। उदाहरण के तौर पर, एमेजोन ने 30,000 सॉफ्टवेयर एप्लिकेशनों को एआई की मदद से मात्र छह महीनों में अपग्रेड किया, जो कार्य सामान्यतः डेवलपर्स को एक वर्ष लगता। इससे कंपनी को लगभग 250 मिलियन डॉलर की बचत हुई। इसी प्रकार, माइक्रोसोफ्ट और मेटा जैसी कंपनियों में कोडिंग का 20 से 50 प्रतिशत कार्य एआई से कराया जा रहा है। भारत में एआई का प्रसार अभी अमेरिका या यूरोप की तुलना में सीमित है, लेकिन इसकी गति तीव्र है। देश के स्टार्टअप और आईटी क्षेत्र में छंटनियों की संख्या बढ़ रही है। रिपोर्ट के अनुसार, केवल वर्ष 2025 के शुरूआती पांच महीनों में भारत में 3600 से अधिक कर्मचारियों को नौकरी से हटाया गया, जिसमें एआई आधारित लागत नियंत्रण एक प्रमुख कारण रहा। यह स्पष्ट करता है कि एआई के कारण दोहराव वाले कार्यों की उपयोगिता घट रही है और उनकी जगह स्मार्ट तकनीक ले रही है। मौजूदा समय में यह कदम लागत-अनुकूलन पहलों के चलते अन्य आईटी सेवा कंपनियों में भी छंटनी को बढ़ावा दे सकता है। इसमें दो राय नहीं कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता कारोबार के नियमों में मौलिक बदलाव के चलते, भविष्य के लिये तैयार रहना हर व्यावसायिक उद्यम के एजेंडे में सबसे ऊपर होगा। इस नई हकीकत को देखते हुए, अनेक सवाल सबसे ज्यादा विचलित करने वाले बनकर उभर रहे हैं कि क्या यह तकनीकी बदलाव अनिवार्य रूप से कर्मचारियों की कीमत पर होना चाहिए? एआई युग में नौकरी की अनिश्चितता क्या तकनीक विकास के नाम पर विस्थापन नहीं है? छंटनी की चपेट में युवाओं का भविष्य क्या तकनीकी प्रगति के नाम पर मानव श्रम पर आघात नहीं है? क्या स्मार्ट मशीनें के दौर में भारत में रोजगार को नई चुनौती और इंसानों को हताशा में धकेलना नहीं है? एआई का विस्तार यानी नौकरी का संकुचन क्या भारत के लिए बड़ी चेतावनी की घड़ी बन रहा है?इन प्रश्नों के परिप्रेक्ष्य में देश में बेरोजगारी का संकट किसी से छिपा नहीं है। देश में श्रमबल का कौशल विकास धीरे-धीरे गति पकड़ रहा है। सरकारी और निजी विश्वविद्यालयों में आईटी पाठ्यक्रमों में दाखिला लेने वाले छात्रों की संख्या में अप्रत्याशित वृद्धि हुई है। लेकिन टीसीएस के इस फैसले से आईटी पाठ्यक्रमों में अध्ययन कर रहे उन लाखों छात्रों और डिग्री लेकर निकल रहे उत्साही इंजीनियरों में निराशा व्याप्त होगी। भारत में बढ़ता रोजगार संकट केंद्र सरकार से निरंतर हस्तक्षेप की मांग करता है। हाल ही में हरियाणा में हुई एक परीक्षा में लाखों युवाओं की भागीदारी इस बात का संकेत है कि रोजगार की मांग कितनी व्यापक और अवसर कितने सीमित हैं। देश ही नहीं, दुनिया में रोजगार का संकुचन एक बड़ी चुनौती बनता जा रहा है। गोल्डमैन सोच्स की रिपोर्ट के अनुसार, एआई और ऑटोमेशन के चलते दुनिया भर में लगभग 300 मिलियन नौकरियां प्रभावित हो सकती हैं। विश्व आर्थिक मंच का आकलन है कि 2030 तक 92 मिलियन नौकरियां खत्म होंगी, लेकिन उसी अवधि में 170 मिलियन नई नौकरियां भी पैदा होंगी। यह एक दोधारी तलवार है, जो बदलेगा, बचेगा; जो रुकेगा, वो हाशिए पर जाएगा। टीसीएस का दावा है कि छंटनी का निर्णय भविष्य की जरूरतों के अनुसार संगठन को ढालने की रणनीति का हिस्सा है। कंपनी का ध्यान एआई में निवेश, नए बाजारों में प्रवेश, ग्राहक अनुभव सुधार और कार्यबल मॉडल के पुनर्गठन पर केंद्रित है। हालांकि, यह तर्क उन हजारों कर्मचारियों की व्यथा को शांत नहीं कर सकता जिनकी आजीविका पर इसका सीधा प्रहार हुआ है। विशेषज्ञों का मानना है कि इस निर्णय से न केवल कंपनी के भीतर बल्कि समूचे आईटी क्षेत्र में आशंका, आक्रोश एवं अनिश्चितता का माहौल बन गया है। खासकर युवाओं और आईटी की पढ़ाई कर रहे लाखों छात्रों के लिए यह एक मानसिक झटका है। तकनीकी शिक्षा में दाखिले बढ़ रहे हैं, लेकिन रोजगार के अवसर घटते जा रहे हैं। यह असंतुलन देश की सामाजिक स्थिरता को भी प्रभावित कर सकता है। संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्टें बताती हैं कि विश्व स्तर पर लगभग 40 प्रतिशत नौकरियां एआई के कारण जोखिम में हैं। भारत में अनुमान है कि 2025 तक 12-18 मिलियन नौकरियां एआई आधारित ऑटोमेशन के चलते प्रभावित हो सकती हैं, विशेषकर आईटी और बीपीओ क्षेत्रों में। एटेमबर्ग के संस्थापक के अनुसार, भारत में 40-50 प्रतिशत व्हाइट कॉलर नौकरियां एआइ से प्रभावित होने के कगार पर हैं, जिससे देश के मध्यवर्ग की आर्थिक स्थिरता को गहरा झटका लग सकता है टीसीएस की छंटनी ने बेरोजगारी के दौर में बड़ी हलचल मचाई है, हालांकि आईटी और तकनीकी पाठ्यक्रमों में दाखिले बढ़े हैं, लेकिन उनमें व्यावहारिक और भविष्य-उन्मुख कौशल की कमी है। यह असंगति ही भविष्य में अधिक छंटनियों का कारण बन सकती है।

अद्भुत, अनंत, अकल्पनीय है काशी की महिमा

(अंजनी सक्सेना)

जब हम काशी, वाराणसी या बनारस कहते हैं, तब हम मात्र काशी विश्वनाथ और गंगा स्नान के विषय में ही सोचते हैं। इन स्थानों के अतिरिक्त भी काशी में 500 से अधिक प्राचीन मंदिर, तीर्थ, कूप और कुण्ड हैं। काशी में भगवान काशी विश्वनाथ और मां गंगाजी के शक्तिमान स्थानों के अतिरिक्त और भी 500 से अधिक प्राचीन मन्दिर शिवलिंग, देवियां, गणेश, कार्तिक स्वामी, विष्णु, महालक्ष्मी, नवग्रह, तीर्थ, कुण्ड-कूप हैं।कहा जाता है कि शिवजी मोह-माया रहित हैं किन्तु शिवजी अपने श्रीमुख से स्वयं कहते हैं- 'ममतारहिस्यापि मम सर्वात्मनो घ्रुवम। व एव मामका लोके ये काशीनाम जापका॥ अर्थात- मैं स्वयं ममता रहित हूं किन्तु जो 'काशी-काशी' जपते रहते हैं, वे मेरे परम प्रिय होते हैं। काशी में देवताओं, ऋषियों, ग्रहों, गणों द्वारा स्थापित शिवलिंग हैं। माना जाता है कि काशी मोक्ष नगरी है लेकिन इसके साथ ही मनुष्य जन्म की सभी आवश्यकताएं परिवार, संतान, धन, जीविका, गृह, सुख, शान्ति, आरोग्य, निष्कलह- निष्कलंक जीवन, यश, सत्ता सभी भक्तों को देने की असीम शक्ति काशी के विश्वनाथ में है। काशी के समस्त शक्तिमान स्थानों का वर्णन एक साथ प्रस्तुत करना तो भगवान आदित्य को दीपक दिखाने जैसा ही है। यहां भगवान काशी विश्वनाथ तो हैं ही, साथ में दुर्गा मंदिर के दुर्ग विनायक हैं, जो काशी के 16 विनायकों में से हैं। आदि केशव मंदिर के जाग्रत सूर्यदेव हैं जिनके दर्शन से व्यक्ति को ऊर्जा प्राप्त होती है, श्रेष्ठत्व मिलता हैं तो ऋणहरेश्वर महादेव भी हैं जो सर्वकष्ट और ऋण नष्ट करते हैं। इटली में पीसा की मीनार जब बनी भी नहीं थी, तब से यह मंदिर है। विष्णु जिनका सर्वसमावेशक रूप बिन्दुमाधव है। उनका मंदिर आक्रमकों ने तोड़ा किन्तु अर्चकों ने श्रीविग्रह (मूर्ति) बचायी, बिन्दुमाधव अति सामान्य व्यक्ति को भी भक्ति की शक्ति से असामान्य बनाते हैं। यहां वागेश्वरी देवी भी हैं जिनके दर्शन मात्र से विद्यार्थी पत्रकार, लेखक, वक्ता के लेखन-वाणी में ओज आता है। यहां देवी कामख्या का भव्य पाषाणीय श्रीचक्र है, जिन्हें श्वेत और गुलाबी पुष्प चढ़ाने से देवी त्रिपुरसुन्दरी यश, सम्पत्ति और आरोग्य देती हैं। गायघाट की महालक्ष्मी देवी, जिनके दर्शन से व्यापारियों, भक्तों को धन, आरोग्य तथा सुहागिनों को सदा सौभाग्य का आशीर्वचन मिलता है। काशी के कोतवाल कालभैरव जो झूठे मामले-मुकदमे से छुड़ाते हैं, अटके कार्य बनाते हैं। कई स्थान पर प्रभु श्रीराम-जानकी-लक्ष्मण-हनुमानजी की मूर्तियां दिखती हैं। काशी में इनकी छवि भी अद्भुत है। जहां इनके साथ भरत व शत्रुघ्न भी हैं तो यह सम्पूर्ण परिवार सजे हुए वस्त्रों-आवरणों में ऐसा लगता है, जैसे सब मिलकर रामायण की अपनी कथा अभी सुनाएंगे। भव्य शिवलिंग तिलमांडेश्वर जिनके सामने सरसों और तिल के तेल के दिये जलाने और नीले पुष्प चढ़ाने से शनि भगवान की साढ़ेसाती, ढैया व महादशा के कष्टों से छुटकारा मिलता है। ऋणहरेश्वर महादेव तथा कामाक्षी देवी मंदिर का श्रीचक्र ऋण-हर्ता व श्रीलक्ष्मी प्रदाता है। आइए एक बार इन प्रमुख देवी-देवताओं का साक्षात्कार कर उन्हें नमन करें। दुर्ग विनायक - दुर्गा मंदिर के प्रवेश में छोटे मंदिर में दुर्ग विनायक विराजमान हैं। दुर्वा (दूब), जवाकुसुम पुष्प और रंग-बिरंगी मालाओं से हर दिन दुर्ग विनायक का पूजन होता है। दुर्गा देवी के दर्शन के पूर्व दुर्गा-कुण्ड में स्नान कर, दुर्ग विनायक का पूजन कर भक्त दुर्गा मंदिर में प्रवेश करते हैं। मान्यता है कि दुर्ग विनायक बड़ी दुर्घटनाओं से भक्तों की रक्षा करते हैं। काशी निवासियों के दुर्ग (किला) के स्वरूप में वे बसते हैं। दुर्गा देवी के मंदिर परिसर में अनेकानेक प्राचीन मंदिर हैं।

प्रयागराज में पहली बार गूंजे युवा स्वर प्रयाग संसद में 200 से अधिक युवाओं ने रखी अपनी बात

भारत संवाद

प्रयागराज , प्रयागराज में पहली बार आयोजित हुए प्रयाग संसद कार्यक्रम ने युवाओं के राजनीतिक, सामाजिक एवं नीति-निर्माण से जुड़ाव को एक सशक्त मंच प्रदान किया। यह ऐतिहासिक आयोजन 25 जुलाई 2025 को इलाहाबाद पब्लिक स्कूल में Team Yuva के तत्वावधान में सम्पन्न हुआ, जिसमें देशभर से 200 से अधिक युवा प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया और अपने विचारों से लोकतंत्र को नई दिशा देने का प्रयास किया। इस आयोजन की नींव रखने वाले प्रमुख युवा चेहरे रहे अभय शुक्ला, अभिषेक झा (दिल्ली से Team Yuva Events के संस्थापक), नर नारायण एवं आदित्य प्रताप सिंह जिन्होंने इस कार्यक्रम को मात्र आयोजन नहीं, बल्कि युवा चेतना का अभियान बनाने का संकल्प लिया। इनके नेतृत्व एवं दूरदृष्टि ने प्रयागराज जैसे ऐतिहासिक शहर में युवाओं को राजनीति और समाज सेवा से जोड़ने का अभिनव प्रयोग किया। अभय शुक्ला और अभिषेक झा, दोनों दिल्ली से सक्रिय रूप से Team Yuva Events का नेतृत्व कर रहे हैं और अब तक देशभर में दर्जनों सफल राष्ट्रीय युवा आयोजनों का संचालन कर चुके हैं। इनकी सोच यह रही है कि युवाओं को केवल भाषण नहीं, भागीदारी मिले– नीति निर्माण में, मंचों पर, और देश की दिशा तय करने में। इस आयोजन की परिकल्पना अभिषेक झा और अभय शुक्ला ने की, जिन्होंने इस विचार को सिर्फ सपना नहीं रहने दिया, बल्कि उसे एक राष्ट्रीय मंच पर परिणत किया। दोनों संस्थापक युवाओं को उपभोक्ता नहीं, विचारकर्ता मानते हैं

नवागत जिलाधिकारी ने कलेक्ट्रेट स्थित कार्यालयों, पटलों, अनुभागों का किया निरीक्षण

सभी अधिकारी व कर्मचारी अपने दायित्वों का पूर्ण निष्ठा, ईमानदारी व मनोयोग के साथ करें निर्वहन

भारत संवाद

- जिलाधिकारी ने सम्बंधित कार्यालयाध्यक्ष एवं पटल सहायकों से पत्रावलियों का सुव्यवस्थित ढंग से रख रखाव सुनिश्चित करने के दिए निर्देश
- जनता की समस्याओं का निस्तारण हमारी शीर्ष प्राथमिकता– जिलाधिकारी

नवागत जिलाधिकारी श्री मनीष कुमार वर्मा ने गुरूवार को कलेक्ट्रेट परिसर स्थित कार्यालयों, पटलों, अनुभागों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने सम्बंधित कार्यालयाध्यक्ष एवं पटल सहायकों से उनके कार्यों एवं जिम्मेदारियों की जानकारी प्राप्त करते हुए पत्रावलियों का सुव्यवस्थित रख रखाव, कार्यालय की साफ-सफाई सहित जनसामान्य से जुड़े कार्यों का त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश दिये। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने न्यायालय कक्ष, राजस्व सहायक कक्ष, ईआरके, शिकायत, डिस्पैच कक्ष, अभिलेखागार, न्याय सहायक कक्ष, ई-डिस्ट्रिक्ट, कंट्रोल रूम, शस्त्र कार्यालय, अभिलेखागार कक्ष सहित अन्य पटल, अनुभागों का निरीक्षण करते हुए संबंधित अधिकारियों, कर्मचारियों को आवश्यक मार्गदर्शन दिए। उन्होंने न्यायालय कक्ष के छत की फारसेलिंग की मरम्मत कराये जाने तथा अधिकारियों, कर्मचारियों के पटल पर उनका नाम, पदनाम, जॉबचार्ट लगाने के निर्देश दिए है। उन्होंने रिकार्ड रूम में सबसे पुराने रिकार्ड एवं रिकार्डों की बिडिंग की जानकारी लेते हुए निर्धारित समयसीमा से पुराने रिकार्डों को बिडआउट कराये जाने के निर्देश दिए है। जिलाधिकारी ने एक सिस्टम डेवलप किये जाने के लिए कहा है, जिससे की पत्रों पर कार्यवाही की प्रगति की स्थिति का सम्पूर्ण ब्यौरा उपलब्ध हो सके तथा एक पटल पर लम्बे समय तक पत्र डम्प न रहे। उन्होंने सभी अधिकारियों व कर्मचारियों को अपने दायित्वों का ईमानदारी के साथ पूर्ण मनोयोग के साथ निर्वहन करने का निर्देश दिया है। निरीक्षण के पश्चात जिलाधिकारी ने जनमिलन कक्ष में आयें हुए लोगो की एक-एक करके उनकी व्यक्तिगत व सार्वजनिक समस्याओं को ध्यानपूर्वक एवं गम्भीरता से सुना और सम्बंधित विभागीय अधिकारियों को उनके त्वरित व प्रभावी निस्तारण के निर्देश दिए है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनसमस्याओं के समाधान में किसी भी प्रकार की लापरवाही या शिथिलता न बरती जाये तथा प्रत्येक फरियादी की समस्या का त्वरित व संतुष्टपरक समाधान किया जाये।

फास्ट ट्रैक

राजा महेंद्र प्रताप सिंह विश्वविद्यालय में कल से स्नातक कक्षाएं आरंभ

भारत संवाद

राजा महेंद्र प्रताप सिंह विश्वविद्यालय में कुलपति प्रोफेसर नरेंद्र बहादुर सिंह के आदेश अनुसार कल दिनांक 1 अगस्त 2025 से विधिवत स्नातक कक्षाएं परिसर में शुरू हो जाएंगी। सभी विद्यार्थियों को अनिवार्य रूप से कक्षाएं करने का आदेश जारी कर दिया है। सभी विद्यार्थियों को ईमेल के माध्यम से सूचना भी दी जा चुकी है ।गौरतलब है के विश्वविद्यालय परिसर में दिनांक 3 जुलाई 2025 से स्नातक में बीए, बीएससी, बीकॉम, बीएससी कृषि के लिए प्रवेश प्रक्रिया जारी है जिनमें अब तक लगभग 800 विद्यार्थी विभिन्न कोर्सों में प्रवेश ले चुके हैं। हालांकि विद्यार्थियों के हित को देखते हुए कुलपति ने पंजीकरण व प्रवेश प्रक्रिया को 10 अगस्त तक बढ़ा दिया है। बीकॉम बीएससी कृषि कोर्सेज में प्रवेश पहले ही पूर्ण हो चुके हैं इस अवसर पर कुलपति प्रोफेसर नरेंद्र बहादुर सिंह ने कहा कि ₹ विश्वविद्यालय परिसर में स्नातक की कक्षाएं शुरू कराना हमारी कुछ महत्वपूर्ण प्राथमिकताओं में से एक था जो कल से आरंभ होने जा रही है। सभी विद्यार्थियों का स्वागत है वे निश्चित रूप से यहां से एक बेहतर भविष्य सुनिश्चित करेंगे।

थाना लालगंज पुलिस द्वारा गैर इरादतन हत्या के अभियोग से सम्बन्धित वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

थाना लालगंज, जनपद मीरजापुर पर दिनांकः 21.06.2025 को वादी तुलसी दास पुत्र स्व0 मुन्नीलाल निवासी बामी थाना लालगंज जनपद मीरजापुर द्वारा नामजद अभियुक्तों (पट्टीदारों) के विरूद्ध वादी के भाई के साथ मारपीट कर गंभीर रूप से घायल करने तथा इलाज के दौरान मृत्यु होने के सम्बन्ध में लिखित तहरीर दी गयी । उक्त के सम्बन्ध में प्राप्त तहरीर के आधार पर थाना लालगंज मु0अ0सं0-239/2025 धारा 105,352,351(3) बीएनएस पंजीकृत कर विवेचना प्रारम्भ की गई सोमेन बर्मा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद मीरजापुर द्वारा उक्त घटना को गंभीरता से लेते हुए क्षेत्राधिकारी लालगंज के नेतृत्व में थानाध्यक्ष लालगंज को अभियुक्त की गिरफ्तारी करने के निर्देश दिए गए हैं । उक्त निर्देश के अनुक्रम में थाना लालगंज पर पंजीकृत मुकदमें में विवेचनात्मक कार्यवाही के क्रम में दिनांकः31.07.2025 को उप-निरीक्षक विजय कुमार राय मय पुलिस टीम द्वारा प्राप्त मुखबिर सूचना के आधार पर थाना लालगंज क्षेत्र से घटना उपरोक्त से सम्बन्धित वांछित अभियुक्त बद्री पुत्र सचई निवासी ग्राम बामी थाना लालगंज जनपद मीरजापुर को गिरफ्तार कर नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही करते हुए मा0न्यायालय/जेल भेजा गया ।

थाना हलिया पुलिस द्वारा नाबालिक को बहला-फुसला के भगाने के अभियोग से सम्बन्धित अभियुक्त गिरफ्तार

थाना हलिया, जनपद मीरजापुर पर दिनांकः 13.06.2025 को एक व्यक्ति द्वारा नामजद अभियुक्तों के विरूद्ध वादी की नाबालिक पुत्री को बहला-फुसला के भगाने के सम्बन्ध में लिखित तहरीर दी गई । उक्त के सम्बन्ध में प्राप्त तहरीर के आधार पर थाना हलिया पर मु0अ0सं0-105/2025 धारा 137(2),87 बीएनएस पंजीकृत कर विवेचना प्रारम्भ की गई । सोमेन बर्माह्व वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद मीरजापुर द्वारा उक्त घटना को गंभीरता से लेते हुए क्षेत्राधिकारी लालगंज के नेतृत्व में प्रभारी निरीक्षक थाना हलिया को अभियुक्तों की गिरफ्तारी के निर्देश दिए गए । उक्त निर्देश के अनुक्रम में थाना स्थानीय पर पंजीकृत उपरोक्त अभियोग में सुरागरसी पतारसी एवं अग्रिम विवेचनात्मक कार्यवाही के क्रम में आज दिनांकः 31.07.2025 को उप-निरीक्षक अच्छेलाल यादव मय पुलिस टीम द्वारा प्राप्त मुखबिर सूचना के आधार पर थाना हलिया क्षेत्र से मुकदमा उपरोक्त से सम्बन्धित वांछित अभियुक्त आशीष कुमार पुत्र हीरा लाल निवासी मवईकला थाना हलिया जनपद मीरजापुर को अंतर्गत धारा 137(2),87 बीएनएस में गिरफ्तार कर नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही करते हुए मा0न्यायालय/जेल भेजा गया ।

हिन्दी साहित्य सम्मेलन में गोस्वामी तुलसीदास जयंती समारोह सम्पन्न

भारत संवाद

गुरुवार ३१ जुलाई को हिंदी साहित्य सम्मेलन के राजर्षि टंडन मंडपम में हिंदी साहित्य के महान संत कवि गोस्वामी तुलसीदास जी की जयंती काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रोङ्ख गिरीश चन्द्र त्रिपाठी की अध्यक्षता में मनाई गई जिसमें मुख्य अतिथि श्री पंचायती अखाडा महानिवार्णी के श्रीमहंत जमुनापुरी जी महाराज रहे एवं विशिष्ट अतिथि मोतीलाल नेहरू प्रौद्योगिकी संस्थान के सहायक निदेशक प्रमोद द्विवेदी रहे। हिंदी साहित्य सम्मेलन के प्रधानमंत्री कुन्तक मिश्र ने समस्त अतिथियों के साथ गोस्वामी तुलसीदास जी के चित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्जवलन के द्वारा समारोह की शुरूआत की। इसके पश्चात सौदामिनी संस्कृत महाविद्यालय के बटुको द्वारा स्वस्ति वाचन पाठ हुआ। हिंदी साहित्य सम्मेलन के प्रधानमंत्री कुन्तक मिश्र ने समस्त अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि गोस्वामी तुलसीदास संस्कृत, वेद, पुराण और शास्त्रों के ज्ञाता थे। उन्हें भगवान राम के प्रति गहरी आस्था और समर्पण के लिए जाना जाता है। तुलसीदास ने रामचरितमानस के जरिए भगवान राम की भक्ति को जन जन तक पहुंचाया। मुख्य अतिथि श्रीमहंत जमुनापुरी जी महाराज ने अपने सम्बोधन में कहा कि आज की वर्तमान पीढ़ी को तुलसीदास के भाव को आधार बनाना चाहिए। क्रूर शासन के मध्य में भक्ति की ज्योति उन्होंने जलाया। उन्हें इस युग का वाल्मिकी के रूप में भी जानना चाहिए। विशिष्ट अतिथि के रूप में सहायक निदेशक डॉ प्रमोद द्विवेदी ने अपने वक्तव्य में कहा कि रामचरितमानस के रूप में तुलसीदास ने सामाजिक कुरीतियों को मिटाया। वो समान अधिकार की बात करते हैं। तुलसीदास ने राम को जननायक के रूप में प्रतिष्ठित किया। सम्मेलन के सहायक मंत्री श्यामकृष्ण पाण्डेय ने अपने सम्बोधन में विचार प्रस्तुत करते हुए कहा कि रामचरितमानस सबको जोड़ने वाला ग्रंथ है। विश्व भर में उनके साहित्य की ख्याति रही। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो गिरीश चन्द्र त्रिपाठी ने समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि गोस्वामी तुलसीदास ने सनातन धर्म की सही व्याख्या को समझाया और आज के समय में समाप्त हो रहे पारिवारिक मूल्यों के गिरते स्तर की वृहद व्याख्या की। उन्होंने आगे कहा कि गोस्वामी तुलसीदास ने रामचरितमानस के रूप में ऐसा ग्रंथ रचा जो जितना समीचीन कल था उतना ही आज भी है और आगे भी समीचीन रहेगा। समारोह का संचालन करते हुए सम्मेलन के साहित्यमंत्री डॉ रामकिशोर शर्मा ने कहा कि भारतीय संस्कृति की दृष्टि से तुलसीदास की रचनाधर्मिता व्यापक और प्रासंगिक है। धन्यवाद ज्ञापित करते हुए सम्मेलन के परीक्षामंत्री डॉ हरिनारायण दुबे ने अपने वक्तव्य में कहा कि गोस्वामी तुलसीदास जी अपने समाज को बहुत गहराई से देखने की चेष्टा करते थे। समारोह में कार्यवाहक उपसभापति विभूति मिश्र, नरेन्द्रदेव पाण्डेय, रमानिवास पाण्डेय, अनामिका चौधरी के साथ अनेक प्रतिष्ठित गणमान्य साहित्यप्रेमी मौजूद रहे।

कैबिनेट ने महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, पश्चिम बंगाल, बिहार, ओडिशा और झारखंड राज्यों के 13 जिलों को कवर करने वाली चार मल्टीट्रैकिंग परियोजनाओं को मंजूरी दी है

भारत संवाद

- इन परियोजनाओं से भारतीय रेलवे का मौजूदा नेटवर्क लगभग 574 किलोमीटर बढ़ जाएगा
- इन परियोजनाओं की कुल अनुमानित लागत 11,169 करोड़ रुपये (लगभग) है और ये 2028-29 तक पूरी हो जाएँगी
- इन परियोजनाओं से निर्माण के दौरान लगभग 229 लाख मानव दिवसों का प्रत्यक्ष रोजगार भी सृजित होगा

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति ने आज रेल मंत्रालय की 4 (चार) परियोजनाओं को मंजूरी दे दी है, जिनकी कुल लागत लगभग 11,169 करोड़ रुपये है। इन परियोजनाओं में शामिल हैं:

(1) इटारसी-नागपुर चौथी लाइन

(2) औरंगाबाद (छत्रपति संभाजीनगर)-परभणी दोहरीकरण

(3) अलुआबाड़ी रोड-न्यू जलपाईगुड़ी तीसरी और चौथी लाइन

(4) डांगोआपोसी-जरोली तीसरी और चौथी लाइन

बढ़ी हुई लाइन क्षमता से गतिशीलता में उल्लेखनीय वृद्धि होगी, जिसके परिणामस्वरूप भारतीय रेलवे की परिचालन दक्षता और सेवा विश्वसनीयता में सुधार होगा। ये मल्टी-ट्रैकिंग प्रस्ताव परिचालन को सुव्यवस्थित करने और भीड़भाड़ को कम करने के लिए तैयार हैं। ये परियोजनाएँ प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदीजी के नए भारत के दृष्टिकोण के अनुरूप हैं, जो क्षेत्र के लोगों को व्यापक विकास के माध्यम से ₹आत्मनिर्भर₹ बनाएगा और उनके रोजगार/स्वरोजगार के अवसरों को बढ़ाएगा।ये परियोजनाएँ पीएम-गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान के तहत बनाई गई हैं, जिनका उद्देश्य एकीकृत योजना और हितधारकों के परामर्श के माध्यम से मल्टी-मॉडल कनेक्टिविटी और लॉजिस्टिक दक्षता को बढ़ाना है। ये परियोजनाएँ लोगों, वस्तुओं और सेवाओं की आवाजाही के लिए निर्बाध कनेक्टिविटी प्रदान करेंगी।महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, पश्चिम बंगाल, बिहार, ओडिशा और झारखंड राज्यों के 13 जिलों को कवर करने वाली ये 4 परियोजनाएँ भारतीय रेलवे के मौजूदा नेटवर्क को लगभग 574 किलोमीटर तक बढ़ा देंगी। प्रस्तावित मल्टी-ट्रैकिंग परियोजना लगभग 2,309 गाँवों तक कनेक्टिविटी बढ़ाएगी, जिनकी आबादी लगभग 43.60 लाख है। ये कोयला, सीमेंट, क्लिंकर, जिप्सम, फ्लाई ऐश, कंटेनर, कृषि उत्पाद और पेट्रोलियम उत्पादों आदि जैसी वस्तुओं के परिवहन के लिए आवश्यक मार्ग हैं। क्षमता वृद्धि कार्यों के परिणामस्वरूप 95.91 टळढअ (मिलियन टन प्रति वर्ष) का अतिरिक्त माल यातायात होगा। रेलवे, पर्यावरण अनुकूल और ऊर्जा कुशल परिवहन माध्यम होने के कारण, जलवायु लक्ष्यों को प्राप्त करने और देश की रसद लागत को कम करने, तेल आयात (16 करोड़ लीटर) कम करने और उड2 उत्सर्जन (515 करोड़ किलोग्राम) कम करने में मदद करेगा, जो 20 करोड़ पेड़ लगाने के बराबर है।

प्रयागराज मंडल में जुलाई, 2025 में 2 राजपत्रित अधिकारी सहित कुल 84 रेल सेवक हुए सेवानिवृत्त

भारत संवाद

प्रयागराज मंडल, उत्तर मध्य रेलवे, से दिनांक 31.07.2025 को सहायक मण्डल वाणिज्य प्रबन्धक/सामान्य, श्री अनिल कुमार गुप्ता एवं सहायक औषधि अधिकारी/प्रयागराज, श्री अनिल कुमार गुप्ता सहित 84 रेल सेवक सेवानिवृत्त हुए। इन सेवानिवृत्त हुए कर्मचारियों में से कमल नारायण, मकसूद आलम, राजीव शर्मा, राम प्रसाद, सुनील कुमार, सुशील मिश्रा, तारकेश्वर सिंह, उदय राज यादव, मुकेश चन्द्र मिश्रा, पंचयराम मीना, आशीष कुमार सक्सेना एवं मुकेश कुमार को सुरक्षित एवं संरक्षित ट्रेन परिचालन के लिए एक्सीडेंट फ्री अवार्ड से सम्मानित किया गया। इस माह सेवानिवृत्त हुए कर्मचारियों को कुल लगभग 33,69 ,04,812/- रूपए का समापन भुगतान नियमानुसार डिजिटल माध्यम से किया गया। प्रयागराज मंडल कार्यालय के मंडल सभागार में अपर मण्डल रेल प्रबंधक/सामान्य, श्री संजय सिंह एवं वरिष्ठ मण्डल कार्मिक अधिकारी, श्री वैभव गुप्ता द्वारा सेवानिवृत्त हुए कर्मचारियों को समापन भुगतान से संबंधित समस्त प्रपत्रों के साथ स्मृति चिन्ह के रूप में गोल्ड प्लेटेड सिल्वर मैडल सम्मान सहित सौंपा गया। वरिष्ठ मण्डल कार्मिक अधिकारी, श्री वैभव गुप्ता द्वारा सेवानिवृत्ति के उपरांत कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले भुगतान, मानार्थ पास, HRMS एवं UMID की सुविधाओं के विषय में जानकारी प्रदान किया गया क अपर मंडल रेल प्रबंधक महोदय ने सभी सेवानिवृत कर्मचारियों को रेल सेवा में उनके योगदान की सराहना करते हुए उनके आगामी पारिवारिक जीवन में स्वस्थ एवं सक्रिय रहने की कामना की कार्मिक विभाग एवं लेखा विभाग की टीम ने अथक परिश्रम करते हुए इस कार्य को सफलतापूर्वक संपन्न किया।

समारोह में सेवानिवृत्त शिक्षामित्रों को किया सम्मानित

शिक्षामित्र स्वयं को शिक्षक समझे: बीएसए

भारत संवाद

पीलीभीत (बरखेड़ा)। विकासखंड बरखेड़ा के प्राथमिक विद्यालय अटकोना और नगरा फिजा के शिक्षामित्र रामचरन लाल और अशफीर्लाल की सेवानिवृत्ति के उपलक्ष्य मे सेवा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉ० अमित कुमार सिंह और खंड शिक्षा अधिकारी अजय कुमार मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने सेवानिवृत्त शिक्षामित्रों को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया और उनके योगदान की सराहना करते हुए कहा कि रामचरन लाल और अशफीर्लाल ने सीमित मानदेय में भी छात्रों के भविष्य को संवारने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उनका समर्पण और सेवा भावना विद्यालय के लिए प्रेरणादायक रही है, जिसे सदैव याद किया जाएगा। इस अवसर पर प्राथमिक शिक्षक संघ के अध्यक्ष संजय गंगवार, मंत्री सत्येन्द्र प्रताप, राष्ट्रीय शैक्षिक संघ के मंत्री जितेंद्र कुमार, शिक्षामित्र एसोसिएशन के अध्यक्ष तीर्थदेव शर्मा, प्रधानाध्यापक पूणानंद समेत काफी संख्या में शिक्षक उपस्थित रहे।

रिजीलिएंस राष्ट्रीय सम्मेलन 2025 का शुभारंभः विकलांगता और मानसिक स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान

भारत संवाद

नई दिल्ली, रिजीलिएंस राष्ट्रीय सम्मेलन 2025, जिसका विषय है ₹विकलांगता और मानसिक स्वास्थ्य भारत में पुनर्वास मनोविज्ञान की सीमाएँ और संभावनाएँ₹, आज राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान (NIHFW), नई दिल्ली में आरंभ हुआ। यह सम्मेलन सृष्टि इंस्टिट्यूट फॉर चाइल्ड एंड अडोलेसेंट मेंटल हेल्थ द्वारा NIHFW के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है, जिसका उद्देश्य पुनर्वास मनोविज्ञान और मानसिक स्वास्थ्य देखभाल के क्षेत्र में नई दिशाएँ निर्धारित करना है। सम्मेलन के उद्घाटन दिवस की शुरूआत प्रातः 9:00 बजे प्रतिभागियों के पंजीकरण से हुई, जिसके बाद औपचारिक उद्घाटन समारोह आयोजित किया गया। डॉ. प्रीति नंदी, प्रबंध सचिव, सृष्टि ने स्वागत भाषण दिया और दो दिनों तक चलने वाली सारगर्भित चर्चाओं की नींव रखी। श्री केवीएस राव, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय के पूर्व निदेशक एवं सृष्टि के संरक्षक ने नीतिगत दृष्टिकोण साझा करते हुए सभा को संबोधित किया। डॉ. राजीव नंदी, संस्थापक एवं अध्यक्ष, सृष्टि ने मुख्य उद्घाटन भाषण देते हुए भारत में पुनर्वास सेवाओं में मौजूद खाई को पाटने की तत्काल आवश्यकता पर बल दिया। विशिष्ट अतिथि श्री राहुल अग्रवाल, उप निदेशक (विकलांगता), दिल्ली सरकार ने स्थानीय शासन और समावेशन के अनुभव साझा किए। डॉ. धीरज शाह, प्राचार्य, यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ मेडिकल साइंस ने अपनी प्रेरणादायक बातों के माध्यम से सम्मेलन को समर्थन प्रदान किया। मुख्य अतिथि डॉ. सुनील विलास राव गिट्टे, निदेशक, NIHFW ने प्रारंभिक मुख्य भाषण प्रस्तुत करते हुए भारत में मानसिक स्वास्थ्य और पुनर्वास के ढांचे को मजबूत करने में NIHFW की प्रतिबद्धता को दोहराया।

जयंती

श्री राम जी के नाम की वह अमर गाथा, जो युगों-युगों तक मानवता को दिशा देती रहे उसी कालजयी रचना श्रीरामचरित मानस के शिल्पी है गोस्वामी तुलसीदास जी

गोस्वामी तुलसीदास जी की जयंती पर साहित्य, संस्कृति और सनातन चेतना को प्रणाम

भारत संवाद

- मानवता को आकार देने वाली गोस्वामी तुलसीदास जी द्वारा रचित रामचरितमानस न केवल भारत में, बल्कि थाईलैंड, कम्बोडिया, इंडोनेशिया और श्रीलंका आदि अन्य दक्षिण पूर्व एशियाई देशों में भी पढ़ी जाती हैं
- यूनेस्को के ह्यमैमोरी ऑफ द वर्ल्ड एशिया-पैसिफकि रीजनल रजिस्टरङ्घ में सुशोभित
- श्री रामचरितमानस केवल धार्मिक ग्रंथ नहीं, बल्कि वह कालजयी रचना है जो भारतीय जीवनमूल्यों त्याग, सेवा, कर्तव्य, करुणा, शौर्य और संयम की जीवंत पाठशाला

ऋषिकेश। आज गोस्वामी तुलसीदास जी की जयंती के शुभ अवसर पर माँ गंगा के पावन तट परमार्थ निकेतन से उस युगद्रष्टा संत, महान कवि और सनातन संस्कृति के संवाहक को श्रद्धापूर्वक नमन करते हुये आज की दिव्य गंगा आरती समर्पित की। स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी ने कहा कि गोस्वामी तुलसीदास जी की लेखनी ने न केवल श्रीरामकथा को जन-जन तक पहुँचाया, बल्कि सम्पूर्ण भारतीय समाज की आत्मा को नवचेतना प्रदान की। गोस्वामी तुलसीदास जी का जीवन और काव्य सृजन एक ऐसे आलोक स्तम्भ के समान है, जो युगों-युगों तक मानवता को धर्म, करुणा, सेवा, संयम और कर्तव्य का पथ दिखाते रहेंगे। उन्होंने जिस भाव भाषा में श्रीराम जी की गाथा को प्रस्तुत किया वह अवधी भाषा उस काल में लोक की भाषा थी। उन्होंने संस्कृत के गूढ़ तत्वों को सरल बना कर जनसामान्य तक पहुँचाया। श्रीरामचरितमानस केवल धार्मिक ग्रंथ ही नहीं बल्कि भारतीय जीवनमूल्यों की जीवन्त पाठशाला है। गोस्वामी तुलसीदास जी द्वारा रचित कालजयी रचना ह्यश्रीरामचरितमानसह्व भारतीय साहित्य की वह अमर धरोहर है, जिसमें केवल रामकथा ही नहीं, बल्कि भारत की आत्मा बसती है। यह ग्रंथ त्याग, तप, प्रेम, भक्ति, मर्यादा, करुणा और राष्ट्र धर्म का प्रतिरूप है। गोस्वामी तुलसीदास जी ने साहित्यिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक क्रांति का सूत्रपात किया। जब देश मुगल आक्रमणों के कारण अस्थिरता और भय के दौर से गुजर रहा था, तब उन्होंने रामकथा के माध्यम से एक आध्यात्मिक धागे में समूचे समाज को बाँध दिया। उन्होंने भारत की सांस्कृतिक पहचान को अक्षुण्ण बनाए रखने का कार्य किया। उनका साहित्य न केवल धर्म की रक्षा करता है, बल्कि राष्ट्रभाव को भी सशक्त करता है। आज जब दुनिया भौतिकवाद, तनाव और पर्यावरण संकट से जूझ रही है, तब तुलसीदास जी के विचार और उनकी लेखनी एक संजीवनी के समान हैं। श्रीरामचरितमानस केवल एक धार्मिक ग्रंथ नहीं है, यह तो भारत की आत्मा से साक्षात्कार कराने वाला दिव्य ग्रंथ है। यह हमें अपने मूल से जोड़ता है, हमारी जड़ों को सींचता है और हमारे संस्कारों को दृढ़ करता है। गोस्वामी तुलसीदास जी का राम नाम के प्रति यह अपार प्रेम और विश्वास हमें यह सिखाता है कि जब तक भारतवर्ष में रामकथा की गूंज है, तब तक इस देश की संस्कृति, संस्कार और सनातन चेतना जीवित और जाग्रत रहेंगी। गोस्वामी तुलसीदास जी की जयंती केवल एक स्मरण दिवस नहीं है, यह अपने साहित्यिक और सांस्कृतिक उत्तरदायित्वों के पुनर्स्मरण का अवसर है। यह वह दिन है जब हम न केवल श्रीरामचरितमानस को पढ़ें, बल्कि उसे जीने का संकल्प भी लें। इस पावन अवसर पर हम सभी तुलसीदास जी की साधना को नमन करते हुए संकल्प लें कि हम अपने जीवन को श्रीराम जी के आदर्शों के अनुरूप बनाएं और सनातन संस्कृति की अखंड ज्योति को युगों-युगों तक प्रज्वलित रखें।

IFFCO को नया नेतृत्व मिलाः श्री के. जे. पटेल ने संभाला प्रबंध निदेशक का पद, डॉ. उदय शंकर अवस्थी की ऐतिहासिक विरासत को आगे बढ़ाने का संकल्प

भारत संवाद

IFFCO, जो विश्व की अग्रणी उर्वरक सहकारी संस्था है, में आज नेतृत्व परिवर्तन हुआ। श्री के. जे. पटेल ने IFFCO के नए प्रबंध निदेशक (MD) के रूप में कार्यभार ग्रहण किया। वे महान सहकारी नेता डॉ. यू. एस. अवस्थी के स्थान पर यह पद संभाल रहे हैं, जिन्होंने तीन दशकों से अधिक समय तक संगठन को नई ऊंचाइयों तक पहुँचाया। श्री के. जे. पटेल, वे सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, गुजरात से मैकेनिकल इंजीनियर है। IFFCO में तकनीकी निदेशक (Director Technical) के रूप में कार्य कर चुके हैं। इससे पूर्व वे IFFCO की परादीप इकाई के प्रमुख (Unit Head) भी रह चुके हैं, जहाँ उनके नेतृत्व में उत्पादन, तकनीकी नवाचार और सुरक्षा मानकों में अभूतपूर्व सुधार दर्ज किया गया। पदभार ग्रहण करते हुए श्री पटेल ने कहा, डॉ. यू. एस. अवस्थी की सोंच एक महान दूरदर्शी मुखिया की रही हैं, जिन्होंने IFFCO को किसान सेवा और नवाचार का प्रतीक बना दिया। उनका विजन और रोडमैप आने वाले वर्षों के लिए एक मजबूत नींव है। मैं संकल्प लेता हूँ कि इस विजन को और गति दूँ और सहकारी भावना के साथ किसानों के हित में कार्य करूँ। इससे पहले डॉ.उदय शंकर अवस्थी ने अपने विदाई संबोधन में कहा की मैं खुश हूँ की मैं इफको की बागडोर एक अपने इफको परिवार के सक्षम साथी को सौप रहा हूँ जिसे इफको बोर्ड तथा अध्यक्ष ने प्रबंध निदेशक नियुक्त किया है ।सहकारिता क्षेत्र में विश्व में शीर्ष संस्था के प्रूबंध निदेशक डॉ उदय शंकर अवस्थी ने अवकाश प्राप्त किया। बनारस हिंदू विश्वविद्यालय (बीएचयू) से रासायनिक इंजीनियरिंग की पढ़ाई के बाद डॉ. अवस्थी नवंबर 1976 में इफको में शामिल हुए और 1993 में प्रबंध निदेशक का पदभार संभालने से पहले विभिन्न महत्वपूर्ण भूमिकाओं में रहे, सन 1993 से 2025 तक लगभग 32 वर्ष वह प्रबंध निदेशक पद रहे। सहकारिता क्षेत्र में इफको को विश्व की शीर्ष संस्था बनाने में डॉ. अवस्थी का अमूल्य योगदान रहा है। डॉ उदय शंकर अवस्थी लगभग चार दशकों तक इफको की कमान संभालने वाले अवस्थी ने केवल संगठन को वैश्विक स्तर पर पहचान दिलाई, बल्कि किसानों और सहकारी आंदोलन की सशक्त बनाया। उनके अद्वितीय योगदानों के लिए उन्हें आईसीए द्वारा रॉसडेल पायनियर अवॉर्ड और सहकार भारती द्वारा फर्टिलाइजर मैन ऑफ इंडियाह्व के खिताब से नवाजा गया।

संगीतमयी श्रीमद्भागवत कथा का आज समापन, आयोजित हुआ भंडारा

भारत संवाद

ऊंचाहार , रायबरेली ,क्षेत्र के निरंजनपुर गांव में ग्रामीणों द्वारा आयोजित श्री मद्भागवत कथा का आज गुरुवार को समापन हो गया। मथुरा वृंदावन से पधारे कथावाचक महेंद्र कृष्ण जी महाराज के मुखारबिंद से संगीतमयी श्री मद्भागवत कथा को सुनकर उपस्थित श्रोता भाव विभोर हुए। आज अंतिम दिवस की कथा में राजा परीक्षित और कल्कि अवतार की कथा सुनाई गई। कथा समापन के पश्चात आयोजित भंडारे में भारी संख्या में पहुंचे श्रद्धालुओं ने पूड़ी सब्जी का प्रसाद छका। आयोजित कथा में मुख्य यजमान भाजपा के ओबीसी मोर्चा के प्रांतीय मंत्री अभिलाष चंद्र कौशल ने ग्रामवासियों को संबोधित करते हुए सनातन धर्म की एकता बनाए रखने पर बल दिया एवं सभी के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि धार्मिक और सामाजिक कार्यों में सहयोग की आवश्यकता पड़ने पर समाज कभी भी उन्हें बुला सकता है। आयोजक प्रीति विश्वकर्मा , सरोज विश्वकर्मा, प्रिंस विश्वकर्मा रहे। पूर्व प्रधान विदुर तिवारी का भी सहयोग

सराहनीय रहा। इस दौरान पूर्व प्रधान लालचन्द्र , पवन शुक्ला सिपाही , लल्लू पाण्डेय, रमेश बहादुर सिंह, रामकरण सिंह ,अजय सिंह, , सूरज वर्मा, कुदन मिश्रा , दिग्विजय सिंह , विमलेश श्रीवास्तव , अंबिकेश आदि सैकड़ो भक्त उपस्थित रहे।

राज्यमंत्री ने दिलायी आईआईए पदाधिकारियों को शपथ

भारत संवाद

सहारनपुर। राज्यमंत्री जसवंत सैनी आज आईआईए पदाधिकारियों को पद एवं गोपनीयता की शपथ स्थानीय दिल्ली रोड, स्थित एक होटल के सभागार में दिलाई।

मुख्य अतिथि के रूप में माननीय जसवंत सैनी, राज्य मंत्री, औद्योगिक विकास, उ.प्र सरकार एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में महापौर डॉ. अजय सिंह, पूर्व सांसद राघवलखन पाल शर्मा आदि के अलावा उपायुक्त उद्योग वी.के.कौशल, सहायक उपायुक्त डा. बनवारी लाल उपस्थित रहें।

शपथ ग्रहण समारोह का शुभारंभ मुख्य अतिथि राज्यमंत्री औद्योगिक विकास, उ.प्र. सरकार एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में महापौर डॉ. अजय सिंह, पूर्व सांसद राघवलखन पाल शर्मा, पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष रामजी सुनेजा, पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रमोद मिगलानी, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष संजीव अरोड़ा, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष प्रमोद सडाना, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष

आर.के.धवन, चैप्टर चेयरमैन गौरव चोपड़ा, मंडलीय अध्यक्ष सतीश अरोड़ा, वरिष्ठ उपाध्यक्ष परविन्दर सिंह, चैप्टर सचिव कुशल शर्मा, कोषाध्यक्ष सुरेन्द्र मोहन कालड़ा व पूर्व चैप्टर चेयरमैन अनूप खन्ना द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया गया।

नये सत्र 2025-26 के शपथ-ग्रहण समारोह में नवनियुक्त चैप्टर चेयरमैन गौरव चोपड़ा, नवनियुक्त वरिष्ठ उपाध्यक्ष परविंदर सिंह, महासचिव कुशल शर्मा एवं कोषाध्यक्ष सुरेन्द्र मोहन कालड़ा आदिद्ध का कामधेनू उघोग नगर एसोसिएशन के अध्यक्ष राजकुमार अरोडा, अतीश गुप्ता, अरविन्द खन्ना, वीरभान भटेजा, गुलशन क्वात्रा, विपुल जैन, संजीव सचदेवा, रजनीश तनेजा, लघु उद्योग भारती के मंडलीय अध्यक्ष अनुपम गुप्ता, होजरी मैन्युफैक्चरिंग एसोसिएशन के अध्यक्ष मंनजीत सिंह अरोड़ा, राजीव सचदेवा, वैभव काम्बोज, घनश्याम माहेश्वरी, विनोद अरोड़ा, सहारनपुर इण्डस्ट्रीज एसोसिएशन के अध्यक्ष शिव कुमार गौड व राजीव अग्रवाल, सहारनपुर वुड कार्विंग एसोसिएशन से औसाफ (गुड्डू), अनवार अहमद, उ०प्र० सहारनपुर उद्योग व्यापार प्रतिनिधिमंडल के जिला महामंत्री श्री रमेश अरोड़ा, पश्चिमी उत्तर प्रदेश संयुक्त उद्योग व्यापार मंडल के जिला अध्यक्ष जयवीर सिंह राणा, नगर अध्यक्ष मुकेन्द मनोहर गोपाल व महामंत्री अजय शर्मा, सुगत वेलफेयर एसोसिएशन के अध्यक्ष प्रवीण कदर्म, कुलदीप कुमार शिवा, जसवंत कुमार, अरूण कुमार, अनिल कुमार, प्रमोद कुमार, राकेश कुमार, रविदास, सहारनपुर राउंड टेबल के चैयरमैन माणिक ठकराल आदि द्वारा बुके देकर स्वागत किया गया।

फास्ट ट्रैक

ध्वज वन्दना कार्यक्रम का आयोजन

सहारनपुर। महानगर कांग्रेस सेवादल अध्यक्ष अनुज शर्मा के नेतृत्व में ध्वज वन्दना का कार्यक्रम किया गया। कार्यक्रम के संजोयक सेवा दल के महासचिव राजेश कुमार और सलमान ने वार्ड 9 में कियां कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अशोक सैनी, पूर्व प्रदेश सचिव व महानगर अध्यक्ष मनीष त्यागी रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अशोक सैनी ने कहा कि इस राष्ट्रीय ध्वज की आन बान और शान के लिए हमारे पूर्वजों ने बहुत कुबार्नी देनी पड़ी है अब हमारा कत्रव्य है की हम इस की शान को बनाए रखना है मनीष त्यागी जी ने कहा कि सेवादल कांग्रेस का बहुत मजबूत संगठन है और सबसे पुराना है में सेवा दल के अध्यक्ष अनुज शर्मा से उम्मीद करते है की वह इस कार्यक्रम को करते रहे ओर कांग्रेस को मजबूत आधार दे कार्यक्रम मे पीसीसी धर्मपाल जोशी महानगर उपाध्यक्ष अमर दीप जैन महानगर उपाध्यक्ष हरिओम मिश्रा महानगर कांग्रेस सेवादल यंग ब्रिगेड के जिला अध्यक्ष प्रबलनिधि सहल महानगर कांग्रेस सेवादल महासचिव शुभम्शर्मा जी महानगर कांग्रेस सेवादल सचिव अभय कुमार महानगर कांग्रेस सेवादल सचिव विशेष कुमार महानगर कांग्रेस सेवादल सचिव रवि तोमर महानगर कांग्रेस सेवादल सचिव विश्वास ठाकुर हरिओम ठाकुर यूथ कांग्रेस जिला उपाध्यक्ष राजन बिरला सोशल मीडिया के नगर अध्यक्ष चंद्र शेखर पासी जी सहित वार्ड के नागरिक भी कार्यक्रम मे शामिल हुए।

साइबर ठगी की रकम वापिस करायी

सहारनपुर। थाना साइबर क्राइम, सहारनपुर पुलिस द्वारा पीडित से आनलाइन साइबर फ्राड के माध्यम से ठगी गयी कुल 99,895 रुपये की शत प्रतिशत धनराशि पीडित के बैंक खाते में वापिस करायी गयी। आज वादी सौरभ सिंह पुत्र ऋषिपाल सिंह निवासी ग्राम मुगलमजारा थाना नकुड जनपद सहारनपुर द्वारा थाना साइबर क्राइम, सहारनपुर पर उपस्थित आकर एक लिखित तहरीर बाबत वादी द्वारा अपने कुरियर को ट्रैक करने के लिए गूगल पर कस्टमर केयर नम्बर सर्च कर अज्ञात साइबर ठग के नम्बर पर सम्पर्क किया गया तो साइबर ठग के झांसे में आकर उसके द्वारा भेजे गये लिंक के माध्यम से साइबर ठग को अपने फोन का एक्सेस दे देना, जिसके बाद साइबर ठग द्वारा वादी के साथ धोखाधड़ी करके कुल 99,895 रुपए की धनराशि अपने खातों में ट्रांसफर करा लेने की सूचना के सम्बन्ध में थाना साइबर क्राइम, सहारनपुर पर मु0अ0सं0 39/24 अन्तर्गत धारा 420 भादवि व 66 डी आईटी एक्ट पंजीकृत किया गएसएसपी ने उपरोक्त घटना का संज्ञान लेकर पीडित के खाते से ठगी गयी धनराशि पीडित के खाते में वापस कराने हेतु आदेश, निर्देश दिए गये थे। आदेश के अनुपालन में पुलिस अधीक्षक नगर,नोडल अधिकारी साइबर क्राइम, सहारनपुर एवं सहायक पुलिस अधीक्षक/क्षेत्राधिकारी साइबर क्राइम, सहारनपुर के निकट पर्यवेक्षण में तथा प्रभारी निरीक्षक साइबर क्राइम संजय कुमार एवं विवेचक,निरीक्षक प्रमोद कुमार के कुशल नेतृत्व में थाना साइबर क्राइम टीम द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुएपीडित के खाते से ठगी गयी कुल 99,895 रुपये धनराशि को विवेचना क्रम में बैंक में होल्ड करा दी गयी थी।

एशियाई कुराश चैम्पियनशिप में जौहर दिखाएंगे सहारनपुर के राघव, कृष्ण व अभिनव

भारत संवाद

सहारनपुर। साउथ कोरिया में होने वाली एशियाई कुराश चैम्पियनशिप में प्रतिभाग करने के लिए सहारनपुर के राघव मिड्ढा, कृष्ण शर्मा और अभिनव सैनी, भारतीय कुराश टीम के साथ रवाना हो गये। साउथ कोरिया के लिए रवाना होने से पूर्व तीनो खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देकर उज्जवल भविष्य की कामना की गई।

सहारनपुर कुराश एसोसिएशन के सचिव मोहित शर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि 31 जुलाई से 05 अगस्त 2025 को एशियाई कुराश चैम्पियनशिप का आयोजन साउथ कोरिया के चेओंग्जू में किया जा रहा है। जिसमे प्रतिभाग करने के लिए सहारनपुर के राघव मिड्ढा, कृष्ण शर्मा और अभिनव सैनी रवाना हो गए। कोच मोहित शर्मा ने कहा कि एशियाई कुराश चैम्पियनशिप में सहारनपुर के होनहार कुराश खिलाड़ी राघव मिड्ढा, कृष्ण शर्मा और अभिनव सैनी प्रतिभाग कर अपने खेल का शानदार प्रदर्शन करेंगे।

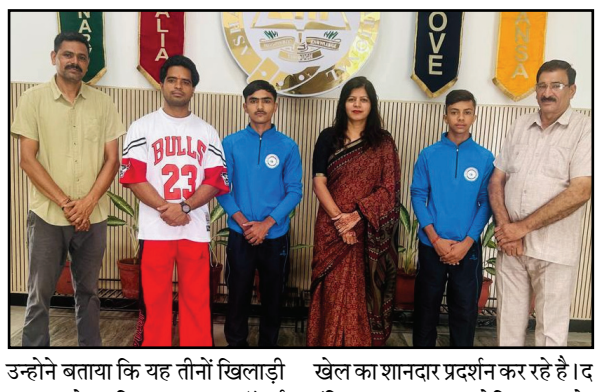

उन्होने बताया कि यह तीनों खिलाड़ी जनता रोड स्थित आशा मॉडर्न इंटरनेशनल स्कूल में संचालित यूथ कुराश मार्शल आर्ट एकेडमी में प्रशिक्षण प्राप्त करते है। राघव मिड्ढा और कृष्णा शर्मा यह दोनों खिलाड़ी आशा मॉडर्न इंटरनेशनल स्कूल के छात्र हैं और अभिनव सैनी सहारनपुर के छुटमलपुर में स्थित डेलमोंड इंटरनेशनल स्कूल का छात्र है। सचिव मोहित शर्मा ने बताया कि द इंडियन कुराश एसोसिएशन के महासचिव विक्रांत कश्यप के नेतृत्व मे सहारनपुर के खिलाड़ी राष्ट्रीय व अन्तरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओ मे प्रतिभाग कर अपने खेल का शानदार प्रदर्शन कर रहे है। द इंडियन कुराश एसोसिएशन के महासचिव विक्रांत कश्यप ने भी खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दी। साउथ कोरिया के लिए रवाना होने से पूर्व राघव मिड्ढा और कृष्णा शर्मा को आशा मॉडर्न इंटरनेशनल स्कूल की प्रधानाचार्य डॉक्टर रुचि शर्मा, स्कूल डायरेक्टर इंजीनियर भव्य जैन, जॉइंट डायरेक्टर रुपाली जैन, खेल प्रशिक्षक आरके शर्मा, खेल प्रशिक्षक अमित चैधरी, वाइस प्रिंसिपल मन्नू मल्होत्रा, सतीश चंद्र, पूजा अरोरा, शुभम त्यागी आदि ने शुभकामनाएं देकर उज्जवल भविष्य की कामना की।

जिलाधिकारी महोदय द्वारा अंकारीपुर, दूबेपुर स्थित ई0वी0एम0/वी0वी0 पैट वेयर हाउस (स्ट्रांग रूम) का किया गया मासिक निरीक्षण

भारत संवाद

सुलतानपुर ,जिलाधिकारी कुमार हर्ष द्वारा रायबरेली रोड स्थित अंकारीपुर, दूबेपुर में ई0वी0एम0 एवं वी0वी0 पैट वेयर हाउस के माह जुलाई का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान बैलेट यूनिट, कंट्रोल रूम, स्ट्रांग रूम, रिजेक्टेड यूनिट कक्ष, वीवी पैट कक्ष का अवलोकन किया गया। उक्त वेयर हाउस में विधानसभा क्षेत्र-सुलतानपुर, सदर, लम्भुआ, कादीपुर निर्वाचन क्षेत्र की ई0वी0एम0/वी0वी0 पैट मशीने

लॉक के अन्दर संरक्षित हैं। जिलाधिकारी महोदय द्वारा सम्बन्धित को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। इस अवसर पर मान्यता प्राप्त समस्त राजनैतिक दलों के प्रतिनिधि व जिला निर्वाचन कार्यालय के स्टाफ गण उपस्थित रहे।

आयुष्मान भारत-प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के तहत निजी क्षेत्र की सहभागिता सुदृढ़ करने के लिए क्षेत्रीय कार्यशाला का हुआ आयोजन

भारत संवाद

अलीगढ़ (सू0वि0): आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (पीएम-जेएवाई) के अंतर्गत निजी क्षेत्र की सहभागिता को सुदृढ़ करने हेतु एक क्षेत्रीय कार्यशाला का आयोजन अलीगढ़ में मंडलायुक्त श्रीमती संगीता सिंह की अध्यक्षता में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। कार्यशाला में अलीगढ़, एटा, कासगंज, हाथरस, बुलंदशहर, गौतम बुद्ध नगर, फिरोजाबाद एवं मथुरा जनपदों से संबंधित अधिकारियों एवं विभिन्न हितधारकों ने भाग लिया। कार्यशाला राज्य स्वास्थ्य प्राधिकरण (रअउलृकर) की मुख्य कार्यपालक अधिकारी श्रीमती अर्चना वर्मा की परिकल्पना पर आधारित थी, जिसका उद्देश्य पीएम-जेएवाई के अंतर्गत बड़े एवं गुणवत्तापूर्ण निजी अस्पतालों की भागीदारी बढ़ाना, सेवा वितरण में व्याप्त अंतर को दूर करना एवं सभी पात्र लाभार्थियों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं की सम्यक पहुंच सुनिश्चित करना था। इस अवसर पर पीएम-जेएवाई में नव-नामांकित होने के इच्छुक एवं वर्तमान में सीमित विशिष्टताओं वाले 60 से अधिक अस्पतालों के प्रतिनिधियों ने सहभागिता की। साथ ही, राज्य स्वास्थ्य प्राधिकरण के महाप्रबंधक डॉ. रविकांत सिंह, एक्सेस हेल्थ की ग्लोबल डायरेक्टर सुश्री हिमानी सेठी, सुश्री प्रियंका पाठक एवं डॉ. अभय भी कार्यशाला में उपस्थित रहे।

एथलेटिक्स में तापसी ने जीता स्वर्ण

भारत संवाद

सहारनपुर। उत्तर प्रदेश राज्य सीनियर एथलेटिक्स प्रतियोगिता जिसका आयोजन 29 और 30 जुलाई को लखनऊ के गुरु गोविंद सिंह स्पोर्ट्स कॉलेज मे हुआ है में भाग लेने हेतु सहरनपुर जिले के खिलाड़ियों का चयन 20 जुलाई को सहारनपुर के स्पोर्ट्स स्टेडियम पर जिला संघ कार्यवाहक अध्यक्ष यशपाल सिंह पुंडीर के नेतृत्व मे चयन समिति सदस्य लाल धर्मेंद्र प्रताप, दीपक शर्मा भगत जी, चो ईश्वरपाल सिंह मुखिया, पॉपिन कुमार और भूपेंद्र सिंह द्वारा किया गया था। उक्त राज्य प्रतियोगिता मे सहारनपुर जिले के 3 खिलाड़ियों ने 1 स्वर्ण, 1 रजत और 1 कांस्य पदक प्राप्त किए । पदक प्राप्त करने वाले खिलाड़ियों के नाम उनके इवेंट के साथ निम्नवत हैं ।कुमारी तापसीह्न 20 किलो मीटर पैदल चाल मे ह्नस्वर्ण पदक, अंकुर कुमार कश्यपह्न 20 किलो मीटर पैदल चाल मे ह्नरजत पदक, कुमारी सिमरन शर्माह्न 5 हजार मीटर दौड़ मे ह्नकांस्य पदक इसके अतिरिक्त कु काजल 400 मीटर दौड़ और श्रीरानी 20 किलो मीटर पैदल चाल मे चतुर्थ स्थान पर रहे। वेदव्रत 400 मीटर बाधा दौड़ मे 5 वे स्थान पर रहे।

कु काजल 200 मीटर और भविष्य ऊंची कूद मे छठवें स्थान पर रहे। युगांक चैधरी 400 मीटर और गोविंद ने 10 हजार मीटर दौड़ मे सातवें स्थान पर सफलता अर्जित की। स्वाति प्रजापति भाला फेंक और सिमरन शर्मा ने 1500 मीटर मे आठवें स्थान पर सफलता अर्जित की ।

इन पदक विजेता खिलाड़ियों के साथ अन्य श्रेष्ठ श्रेणी प्रदर्शन अर्जित खिलाड़ियों को जिला सचिव डा अशोक कुमार गुप्ता ने अपने जिला एथलेटिक्स संघ के अन्य समस्त पदाधिकारियों एवं एथलेटिक्स खेल प्रशिक्षकों के साथ बधाई देकर सम्मानित किया।

आरोपी के खिलाफ अभियोग पंजीकृत किया

भारत संवाद

सहारनपुर। थाना फतेहपुर क्षेत्रान्तर्गत ग्राम नानका में एक व्यक्ति को सदिग्ध समझकर पकडने पर तत्काल पीआरवी व स्थानीय पुलिस द्वारा पहुँचकर उक्त व्यक्ति को छुडाया गया तथा आरोपी व्यक्तियो के विरूद्ध अभियोग पंजीकृत किया गया है।

30 जुलाई को जनपद के समस्त ग्राम प्रधानों, पार्षदो के साथ गोष्ठी कर ग्राम सुरक्षा समिति का गठन करने हेतू बताया गया है तथा बीट प्रणाली के

अनुसार हल्का/बीट प्रभारी की उपलब्ध करा दी गयी है। आमजन से अपील है कि कोई भी सदिग्ध व्यक्ति दिखाई देने पर तत्काल 112 व स्थानीय पुलिस को सूचना दे, कोई भी व्यक्ति कानून अपने हाथ मे न ले।

ड्रोन कैमराः पुलिस ने चैपाल लगाकर आमजन को किया जागरूक

भारत संवाद

सहारनपुर। एसएसपी के निर्देशन में में ड्रोन कैमरों से रैंकी कर चोरी करने की, अफवा, भ्रामक खबरों के बारें में लोगों को जागरुक करने हेतु गांव-गांव में जाकर पुलिसकम, अधिकारियों द्वारा चैपाल का आयोजन किया जा रहा है। पुलिस बीट प्रणाली व्यवस्था माध्यम से गांवों में जागरूकता हेतु चैपाल लगाई गयी। थाना बेहट क्षेत्रान्तर्गत क्षेत्राधिकारी बेहट श्री मुनीश चन्द्र द्वारा गांव बरौली में चैपाल का आयोजन किया गया। चैपाल के आयोजन में चैकी प्रभारी,हल्का प्रभारी,बीट प्रभारी भी मौजूद थे। जिसमें ड्रोन कैमरो से रैकी कर चोरी करने की अफवाह अथवा सूचना को तत्काल आपातकालीन नम्बर 112 पर सूचना दे तथा सम्बन्धित स्थानीय पुलिस को दे सकते है। जिनके फोन नम्बर वॉल पेंटिंग के माध्यम से अलग-अलग जगहों पर अंकित कराये गये है। साथ ही इन अफवाहो के प्रवाहित क्षेत्रों में पुलिस की रात्रि गश्त बढाई गयी है।

उत्तर मध्य रेलवे

Letter No: 164/Med/MRI/EOI/2025/1 Dated: 29.07.2025

अभिरुचि की अभिव्यक्ति

केन्द्रीय चिकित्सालय,उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज में बहिर्श्रोतों द्वारा (M.R.I.) एम्.आर.आई. की सेवाऐ प्रदान करने हेतु विज्ञापन ।

केन्द्रीय चिकित्सालय,उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज में चिकित्सा निदेशक, उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज द्वारा बहिर्श्रोतों द्वारा **(M. R.I.)** एम्.आर.आई. जाँच की सेवाऐ प्रदान करने हेतु सेंटर संचालकों से **"अभिरुचि की अभिव्यक्ति"** विज्ञापन का आमंत्रण (प्रयागराज के नान एनबीएल/एनबीएल सी. जी. एच. एस. 2024 के अनुसार) किया जा रहा है। सभी इच्छुक सेंटर संचालकों से अनुरोध है,कि विज्ञापन प्रकाशित होने के 10 दिनों के अंदर सभी कार्य-दिवसों पर पूर्वाह्न **11:00 बजे** से **अपराह्न 5:00 बजे** तक केन्द्रीय चिकित्सालय, उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज के कार्यालय में उपलब्ध "ई.ओ.आई." के निर्धारित प्रोफार्मा में भरकर जमा कर दें ऐसा प्रोफार्मा उत्तर मध्य रेलवे के वेबसाइट में भी उपलब्ध है। प्रार्थना - फार्म में उपलब्ध सभी मापदण्ड,निबंधन एवं शर्तों के अनुसार उपलब्ध कार्य का विवरण दें।

चिकित्सा निदेशक, केन्द्रीय चिकित्सालय
उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज

1338/25 (D)

North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in @ CPRONCR

उत्तर मध्य रेलवे

ई-निविदा सूचना सं. ई टी-54/विद्युत/कोचिंग-प्रया0/2025-26 दिनांक : 29.07.2025

ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरिष्ठ मण्डल विद्युत अभियन्ता (कोचिंग) उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज निम्नलिखित कार्य के लिए निर्धारित फार्म पर **E-Tender** दि0 **20.80.2025** समय **15:00 बजे** तक आमन्त्रित करते है। निविदा के सम्बन्ध में मुख्य सूचनायें निम्नवत् है-

निविदा सं. : ETCHG-54	कार्य की लागत (रू0 में) : Rs. 66,61,560.15
कार्य का नाम : प्रयागराज मंडल में एलएचबी प्रकार के कोचों में एसबीसी पैनल के एचटी कम्पार्टमेंट और डिस्कनेक्टिंग और अर्थिंग डिवाइस के लिए ईपीडीएम मॉड्यूलर केबल सीलिंग सिस्टम का प्रावधान।	
निविदा खुलने की तिथि : 20.08.2025	धरोहर राशि (रू0 में) : Rs. 1,33,200.00
समयावधि : 06 माह	टेन्डर फार्म की कीमत (रू0 में) : NIL
निविदा का प्रकार : Works (Open Tender)	

नोट : 1. उपरोक्त ई-निविदा का पूर्ण विवरण (निविदा प्रपत्र सहित) बेवसाइट **www.ireps.gov.in** पर समय **15:00 बजे** टेण्डर खुलने की तिथि तक उपलबध है। 2. उपरोक्त निविदा में ई-बिड के अलावा किसी अन्य रूप से बिड स्वीकार नहीं की जायेगी। इस प्रयोजन हेतु वेन्डरों को चाहिए कि वे अपने आपको **I.T. Act-2000** के अन्तर्गत **CCA** द्वारा जारी **Digital** हस्ताक्षर प्रमाण पत्र के साथ **IREPS** की वेबसाइट पर पंजीकृत करायें। 3. निविदा की दरें केवल डिजिटल हस्ताक्षरित फाइनेंसियल रेट पेज पर ही विचारणीय है। दरे तथा अन्य वित्तीय प्रभार अन्य किसी भी फार्म/लेटर हेड पर यदि संलग्न है तो उस पर विचार नहीं किया जायेगा तथा सीधी तौर पर अमान्य कर दिया जायेगा । 4. संलग्न किये जाने सभी प्रपत्र निविदाकर्ता द्वारा हस्ताक्षरित होने चाहिये । 5. निविदा सूचना को निम्नलिखित वेबसाइट पर भी देखा जा सकता है- **www.ncr.indianrailways.gov.in** 6. किसी भी प्रकार की तकनीकी समस्या के समाधान के लिए **IREPS** की वेबसाइड की हेल्प लाइन से सम्पर्क किया जा सकता है। 7. ईएमडी का भुगतान केवल ऑनलाइन कई बैंक की नेट, डेबिट और क्रेडिट कार्ड के माध्यम से किया जाना चाहिए।

1337/25 (C)

@ CPRONCR North central railways cproncrly CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

उत्तर मध्य रेलवे

रजिस्ट्री सं. डी.एल.-33004/99 REGD. No. D.L.-33004/99

भारत का राजपत्र
The Gazette of India

सी.जी.-यू.पी.-अ.-28072025-265013
CG-UP-E-28072025-265013
असाधारण
EXTRAORDINARY
भाग II- खण्ड-3-उप-खण्ड (ii)
PART II-Section 3-Sub-section (ii)
प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 3327] नई दिल्ली, शुक्रवार, जुलाई, 25, 2025/श्रावण 3,1947
No. 3327] NEW DELHI, FRIDAY, JULY 2025/SHRAVANA 3,1947

रेल मंत्रालय, (उत्तर मध्य रेलवे) (इंजीनियरिंग विभाग)
अधिसूचना, प्रयागराज, 7 जुलाई 2025

का.आ. 3404(अ).- केन्द्रीय सरकार, रेल अधिनियम, 1989 (1989 का 24) एव रेलवे (संशोधन) अधिनियम (2008 का 11) (जिसे इसमें, इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 20क की खण्ड (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह समाधान हो जाने के पश्चात कि लोक प्रयोजन के लिए, वह भूमि, जिसका संक्षिप्त विवरण इससे उपाबद्ध अनुसूची में दिया गया है, उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले में विशेष रेल परियोजना, (उत्तर मध्य रेलवे के पं. दीन दयाल उपाध्याय-प्रयागराज खण्ड पर स्थित समपार संख्या 18 पर दो लेन रोड ओवर ब्रिज के निर्माण) के बाबत ऐसी भूमि का अर्जन करने के अपने आशय की घोषणा करती है। उक्त भूमि में हितबद्ध कोई भी व्यक्ति, राजपत्र में इस अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से तीस दिन के भीतर, उक्त अधिनियम की धारा 20घ की उपधारा (1) के अधीन उपरोक्त प्रयोजन के लिए ऐसी भूमि के अर्जन और उपयोग के संबंध में आक्षेप कर सकेगा; ऐसा प्रत्येक आक्षेप, सक्षम प्राधिकारी, अर्थात विशेष भूमि अध्याप्ति अधिकारी, प्रयागराज उत्तर प्रदेश को लिखित में किया जायेगा और उसके आधार उपवर्णित होगे और सक्षम प्राधिकारी, आक्षेपकर्ता को या तो व्यक्तिगत रूप से या विधि व्यवसायी के माध्यम से सुनवाई का अवसर प्रदान करेगा और ऐसे सभी आक्षेपो की सुनवाई करने के पश्चात् यदि सक्षम प्राधिकारी/विशेष भूमि अध्याप्ति अधिकारी प्रयागराज कोई और जाँच, आवश्यक समझें, करने के पश्चात, आदेश द्वारा, या तो आक्षेपों को अनुज्ञात या अननुज्ञात कर सकेगा। उक्त अधिनियम की धारा 20घ की उपधारा (2) के अधीन सक्षम प्राधिकारी द्वारा किया गया कोई भी आदेश अंतिम होगा। इस अधिसूचना के अधीन आने वाली भूमि का रेखांक और अन्य ब्योरे उपलब्ध है और हितबद्ध व्यक्ति द्वारा सक्षम प्राधिकारी के उपरोक्त कार्यालय में उनका निरीक्षण किया जा सकता है।

अनुसूची

उत्तर प्रदेश राज्य में उत्तर मध्य रेलवे के पं. दीन दयाल उपाध्याय-प्रयागराज खण्ड पर स्थित लेवल क्रासिंग संख्या 18 पर 2 लेन रोड ओवर ब्रिज निर्माण परियोजना के लिए प्रयागराज जिले के मेजा तहसील में आने वाली भूमि का अवसंरचना सहित या रहित भूमि का संक्षिप्त विवरण।

क्र. सं.	तहसील का नाम	ग्राम का नाम	भूमि का प्रकार	गाटा संख्या	अर्जित क्षेत्रफल (हे.में)
1	2	3	4	5	6
1	मेजा	ठिकरी	1 क (क) संक्रमणीय भूमिधर	541ग	0.0840
			NZ.A सड़क	540	-
			NZ.A सड़क	539	-
			रास्ता	538	0.0340
			योग		**0.1180**
2	मेजा	जलैया	1 क (क) संक्रमणीय भूमिधर	105ग	0.0050
			1 क (क) संक्रमणीय भूमिधर	105ख	0.0090
			नहर	105क	0.0160
			1 क (क) संक्रमणीय भूमिधर	106क	0.0230
			1 क (क) संक्रमणीय भूमिधर	106ख	0.0110
			1 क (क) संक्रमणीय भूमिधर	107क	0.0170
			नवीन परती	107ख	0.0110
			1 क (क) संक्रमणीय भूमिधर	114क	0.0100
			1 क (क) संक्रमणीय भूमिधर	114ख	0.0210
			नवीन परती	114ग	0.0030
			1 क (क) संक्रमणीय भूमिधर	142	0.0110
			1 क (क) संक्रमणीय भूमिधर	141	0.0430
			1 क (क) संक्रमणीय भूमिधर	127क	0.0320
			नवीन परती	127ख	0.0140
			1 क (क) संक्रमणीय भूमिधर	126	0.0370
				योग	0.02630
			कुल योग		0.3810

[फा.सं.ई-फाईल नंबरः NCR फाईल नंबर NCR-HQ0ENGG (CORR)/11/2024-O/o Dy. CE/Br./L/ALD
(कंप्यूटर नंबर 115592] जे.सी.चौरसिया, प्रमुख मुख्य इंजीनियर

1339/25 FA

North central railways @CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

भारत संवाद परिवार 1-संरक्षक-भारत संवाद डॉ राम किशोर शर्मा पूर्व विभागाध्यक्ष इलाहाबाद विश्व विद्यालय कबीर सम्मान 2021 से सम्मानित, 2-संरक्षक-भारत संवाद, आचार्य पं0 पृथ्वीनाथ पाण्डेय भाषाविज्ञानी एंव मीडियाध्ययन विशेषज्ञ, 3-संरक्षक-भारत संवाद गजानन महतपुरकर, (सुपरिचित कवि, लेखक, गीतकार, मंच संचालक, स्वतंत्र पत्रकार एवं सदस्य, महाराष्ट्र राज्य हिंदी साहित्य अकादमी तथा पश्चिम रेलवे, चर्चगेट के वरिष्ठ जनसम्पर्क अधिकारी पद से सेवानिवृत्त), 4-कला एवं मनोरंजन संपादक (भारत संवाद), जगन्नाथ तिवारी, 5-उपसंपादक (भारत संवाद), माता प्रसाद शर्मा, 6-प्रभारी प्रयागराज संस्करण आशीष कुमार शर्मा

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक अरविन्द कुमार शर्मा द्वारा रमा प्रिंर्टिंग प्रेस 53/25/1-ए बेली रोड नया कटरा इलाहाबाद से मुद्रित एंव ज्ञान गंगा कालोनी सराय तकी झूंसी प्रयागराज से प्रकाशित।
संपादक- अरविन्द कुमार शर्मा ।फोन नं०.05324012522 मो०-9455137214,9935750291,E mail-bharatsamvad2009@gmail.com RNI No-UPHIN/2009/30939
(किसी भी विवाद का न्याय क्षेत्र इलाहाबाद उच्च न्यायालय होगा)।

बाइक राइडिंग का रखते हैं शौंक तो बेस्ट हैं ये जगहें!

अगर आप भी काम करते-करते थक गए हैं और बाइंकिग का भी शौंक रखते हैं तो और किसी छोटे वेकेशन की प्लानिंग कर रहे हैं तो निकल जाएं इन शानदार सड़कों के सफर पर। जहां ऊंचे पहाड़, गहरे झरने खूबसूरत हरे-भरे जंगल आपका इंतजार कर रहे हैं। ऐसी जगह खास तौर पर उन लोगों के लिए अच्छी है जो कि बाइक राइडिंग के शौकीन हैं। यहां पर आप कुदरती नजारों, पहाड़ों, झरनों का भी मजा ले सकते हैं। आइए जानते है उन जगहों के बारे में....

1. लेह, लद्दाख

चारो तरफ पहाड़ों से घिरे इस रूट पर ड्राइविंग का अपना एक अलग ही मजा आता है। ऊंचे पहाड़ों के बीच से निकलता खारदूंगला रोड, जो दुनिया भर में अपनी ऊंचाई के लिए जाना जाता है पर घूमने का अलग ही मजा है। इसके अलावा यहां का मैग्नेरटिक रोड खासतौर से मशहूर है। यहां पर टूरिस्ट अप्रैल से अगस्त तक बाइक राइडिंग करने के लिए आते हैं।

2.स्पीति वैली, हिमाचल

लद्दाख से थोड़ी ही दूर हिमाचल की स्पीति वैली हैं। बाइक से स्पीती वैली तक पहुंचने के लिए काजा, टैबो, स्पीती और पीन वैली जैसी कई खूबसूरत जगहें देखने को मिलती हैं। यहां पर सड़कों के किनारे सेब, खूबानी के पेड़ और सतलुज नदी की खूबसूरती के साथ प्राचीन मंदिरों को भी देख सकते है।

3.वालपराई और वाझाचल फॉरेस्ट

बाइक राइडिंग के लिए यह सबसे बेस्ट रूट है। यहां राइडिंग के दौरान घने, हरे-भरे जंगल और कई सारे छोटे-छोटे वाटर फॉल्स का नजारा देखने को मिलता है।।

4.गोवा, मुंबई

इंडिया के बिजनेस कैपिटल मुंबई से गोवा तक बाइक से सफर करना भी काफी मजेदार है। अमेरिका के 101 हाइवे से काफी मिलती-जुलती इस सड़क को इंडिया में बेस्ट कोस्टल राइडिंग के लिए जाना जाता है।

5.वेस्टर्न, अरुणाचल प्रदेश

हिमालय की ऊंची चोटियों को राइडिंग के वक्त देखना बहुत ही अच्छा एक्सपीरिएंस होता है। हालांकि यहां सड़कों की कमी है जिसके चलते ऊंचे-नीचे पहाड़ी रास्तों से गुजरना होता है। सफर के दौरान बर्फ से ढ़की सड़कें, ट्राइबल कल्चर और उनकी अलग सी लाइफस्टाइल को कैमरे में आसानी से कैद किया जा सकता है।

6. जैसलमेर, जयपुर

दोनों तरफ रेगिस्तारन और बीच में हाईवे का सफर में आपको राजस्थानी कल्चर देखने के कई मौके मिलते हैं। इसके साथ ही बीच-बीच में जोधपुर, ओसियां, पोकरन जैसे स्टॉकपेज आते हैं जो आपकी सैर को और भी मजेदार बनाएंगे।

एलीफेंट बीच अंडमान के मशहूर बीचों में से एक है। हैवेलॉक द्वीप पर स्थित इस बीच तक आप नाव से या फिर जंगल ट्रेक करके पहुंच सकते हैं। नीले पानी और चमकदार रेत वाले इस बीच पर आकर आपको बहुद सुकून मिलेगा। यह बीच शानदार कोरल रीफ और स्नॉर्कलिंग के लिए भी जाना जाता है। छुट्टियों में परिवार के साथ यदि आप भीड़भाड़ से अलग शांति और सूकुन वाली जगह की तलाश में है तो अंडमान-निकोबर बेस्ट जगह है। खूबसूरत कुदरती नज़ारों और साफ समुद्री तटों वाले अंडमान की शांति और सुंदरता हर किसी का मन मोह लेती है।

खूबसूरत कुदरती नज़ारों और बीचों की सैर करनी है तो जाएं अंडमान-निकोबार

साफ-सुंदर बीच

पानी से अटखेलियां करना पसंद है तो अंडमान के बीच आपको बुला रहे हैं। यहां के साफ पानी में आप स्कूबा डाइविंग, स्विमिंग, स्कीइंग, पैरास्लाइडिंग, बनान बोट राइड, अंडर वॉटर वॉकिंग आदि एडवेंचर गेम्स का मजा ले सकते हैं। स्कूब डाइविंग के दौरान समुद्र के नीचे रंग-बिरंगी मछलियों से मिलने का अनुभव यादगार बन जाएगा। यहां के बीच अपनी खूबसूरती और स्वच्छता के लिए मशहूर हैं। बीचों की सफेद और चमकीली रेत पर लेटकर जूस और कोल्ड ड्रिंक का मजा लें। क्योंकि अंडमान अपने बीचों के लिए ही मशहूर है तो कुछ खास बीचों की सैर करना न भूलें।

एलीफेंट बीच

यह अंडमान के मशहूर बीचों में से एक है। हैवेलॉक द्वीप पर स्थित इस बीच तक आप नाव से या फिर जंगल ट्रेक करके पहुंच सकते हैं। नीले पानी और चमकदार रेत वाले इस बीच पर आकर आपको बहुद सुकून मिलेगा। यह बीच शानदार कोरल रीफ और स्नॉर्कलिंग के लिए भी जाना जाता है।

राधानगर बीच

हैवलॉक द्वीप पर स्थित यह बीच भी बहुत मनोरम हैं यहां के दृश्य बेहद सुंदर हैं। अंग्रेजी मैगज़ीन टाइम द्वारा इसे भारत के सबसे अच्छे बीचों में से एर माना गया और पूरी दुनिया का यह सांतवा बेस्ट बीच है। फोटोशूट के लिए यह बीच एकदम परफेक्ट हैं तो यदि आप अंडमान जाएं तो इस बीच पर फोटो खिंचवाना न भूलें।

विजयनगर बीच

यह बीच भी अंडमान के बेस्ट बीचों में से एक है जो सैलानियों के बीच बहुत पॉप्युलर है। यहां का पानी बहुत साफ है और वातावरण स्वच्छ और सुंदर। यहां आप स्वीमिंगस बोटिंग, सर्फिंग और फोटोग्राफी का मज़ा ले सकते हैं। अंडमान के बीच फिलहाल अन्य जगहों के बीचों से साफ और सुंदर है, तो आप यदि कुदरत की गोद में सुकून भरे पल बिताना चाहते हैं तो अगली छुट्टी अंडमान में बिताएं।

काला पत्थर बीच

यह बीच भी बहुत सुंदर और शांत है। परिवार के साथ सुकून भरे तो पल बिताने वालों के लिए यह परफेक्ट जगह है। यहां की रेत चांदी की तरह चमकती है। इस बीच पर आप सनबाथ का मज़ा ले सकते हैं।

बेस्ट टाइम

572 छोटे-बड़े द्वीपों से मिलकर बना है अंडमान। यह देश के सबसे आकर्षक टूरिस्ट प्लेसेज में से एक है। सितंबर से लेकर मार्च तक का समय यहां जाने के लिए सबसे अच्छा है, क्योंकि तब आप यहां की कुदरती खूबसूरती के साथ ही सुहावने मौसम का पूरा मजा ले सकेंगे।

मलेशिया है बेहद ही खूबसूरत, बिताए गर्मियों की छुट्टियां

मलेशिया की राजधानी क्वालालम्पुर के अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर कदम रखते ही मुझे लगा कि मैं यूरोप, आस्ट्रेलिया या अमेरिका जैसे किसी विकसित देश की धरती पर खड़ी हूं। क्रोम और शीशे से बना यह हवाई अड्डा विश्व के सबसे आधुनिक हवाई अड्डों में एक है। चमकते हुए ग्रेनाइट के फर्श, नवीनतम तकनीक से लैस सभी सुविधाएं तथा डयूटीफ्री सामानों से भरी चमचमाती हुई दुकानें यहां आने वाले हर पर्यटक को सहज ही प्रभावित कर लेती हैं। मुझे लगा कि जब इतने ही दिनों में मलेशिया इतनी तरक्की कर सकता है तो हम क्यों नहीं? पर इस प्रश्न का जवाब सोचने से पहले ही मुझे पता लगा कि क्वालालम्पुर से पिनांग जाना है और वहां पहुंचने के लिए लगभग 40 मिनट की उड़ान फिर भरनी है। अभी भारतीय समय के अनुसार सुबह के पांच बजे थे, पर हवाई अड्डे की घड़ी सुबह साढ़े सात का समय दिखा रही थी यानी मलेशिया व भारत के समय में ढाई घंटे का अंतर था। मैंने स्थानीय समय के अनुसार अपनी घड़ी मिलाई और पिनांग जाने वाले विमान में बैठ गई।

सुपारी के पेड़ों वाला द्वीप

मलेशिया पर्यटन विभाग की ओर से गए हम आठ लोग थे जिनका स्वागत बहुत ही गर्मजोशी से पिनांग हवाई अड्डे पर टूर गाइड लेना व एडी ने किया। हवाई अड्डे से अपने होटल मुतियारा बीच रिसोर्ट तक जाते हुए लेना व एडी ने हमें पिनांग के बारे में तमाम जानकारियां दीं। पिनांग की खूबसूरती की एक झलक हमें रास्ते में ही मिल गई। हरी-भरी पहाड़ियों से घिरा पिनांग एक द्वीप है जिसका आकार एक तैरते हुए कछुए की तरह है। पिनांग की खूबसूरती से प्रभावित होकर ही ब्रिटिश रचनाकार सॉमरसेट मॉम ने लिखा था, यदि किसी ने पिनांग नहीं देखा, तो उसने संसार नहीं देखा। मुझे भी यहां आकर लगा कि मॉम ने कुछ गलत नहीं लिखा है। पूर्वी देशों के सबसे सुंदर शहरों में गिना जाता है पिनांग, जिसका नाम इस द्वीप पर बहुतायत से पाए जाने वाले सुपारी के पेड़ों के कारण पड़ा। मलय भाषा में पिनांग पान की सुपारी को कहते हैं। पूरब का मोती कहा जाने वाला यह द्वीप 1786 में सुदूर पूर्वी देशों में ब्रिटिश राज्य का पहला व्यापारिक केंद्र बना, पर आज यह पूरब और पश्चिम के मिलन का एक आकर्षक बिंदु है। चूंकि विश्व के लगभग सभी देशों से पर्यटक यहां वर्ष भर आते रहते हैं, अतः यहां की अर्थव्यवस्था का एक प्रमुख स्त्रोत पर्यटन है। पर्यटन संबंधी सुविधाएं यहां बहुत विकसित हैं और कई अंतरराष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनियों का विकास भी काफी अच्छा है।

असर चीनी संस्कृति का

कई वर्षो तक ब्रिटिश शासन के अधीन रहने के कारण यहां की पुरानी इमारतों में ब्रिटिश स्थापत्य की झलक दिखती है। साथ ही चीनी संस्कृति का प्रभाव आज भी यहां के लोगों पर देखा जाता है। लेना व एडी ने चीनियों द्वारा बनाए गए कुआन यिन तेंग, वाट चैया मांगकालाराम तथा अन्य बौद्ध मंदिरों को दिखाते हुए बताया कि पिनांग की राजधानी जॉज टाउन में चीनियों द्वारा बनाए गए ऐसे कई बौद्ध मंदिर हैं, जहां एक विशेष जाति के चीनी लोग विभिन्न त्योहार मनाने के लिए आज भी इकट्ठे होते हैं। इन मंदिरों पर बनी अत्यंत महीन चीनी पेंटिंग व लकड़ी की नक्काशी से सजे पैनल इस देश के कलाकारों की प्रतिभा का परिचय देते हैं। थाईलैंड की स्थापत्य कला से प्रभावित वाट चैया मांगकालाराम मंदिर में भगवान बुद्ध की लेटने की मुद्रा में विश्व की तीसरी सबसे बड़ी प्रतिमा है।

एक अनुभव अनोखा सा

मीलों तक फैले रेतीले मैदान व नारियल के पेड़ों की कतारों से सजे पिनांग के समुद्र तट विदेशी पर्यटकों को वर्षो से आकर्षित करते आ रहे हैं। दो दिन की पिनांग यात्रा के दौरान लेना व एडी हमें यहां के लगभग सभी दर्शनीय स्थलों पर ले गए, हमने स्थानीय भोजन का स्वाद लिया और बटरवर्थ तथा पिनांग के द्वीप के बीच चलने वाली फेरी में बैठकर द्वीप के चारों ओर फैले नीले पानी की सैर की। इस फेरी में लगभग 100 से अधिक गाड़ियां लोड की जा सकती हैं और 20-25 मिनट में समुद्र के जरिये अपनी गाड़ी में बैठे-बैठे आप पिनांग द्वीप तक आ-जा सकते हैं। यह मेरे लिए एक अनोखा अनुभव था। चीन, ब्रिटेन, थाईलैंड, बर्मा आदि देशों से प्रभावित पिनांग के इतिहास की जानकारी लेते और यहां के शौकीन व बहुत ही मिलनसार लोगों की यादें दिल में लेकर हम पिनांग ब्रिज से होते हुए क्वालालम्पुर की ओर चल दिए। यह ब्रिज पिनांग द्वीप व मलेशिया प्रायद्वीप को जोड़ने वाला विश्व का तीसरा सबसे लंबा ब्रिज है। यहां इस ब्रिज से जाते हुए पिनांग द्वीप की आखिरी झलक हमें मिल रही थी।

ऐतिहासिक इमारतों के शहर में

क्वालालम्पुर जाते हुए हम मलेशिया के एक और राज्य पेराक से गुजरे जिसका मलय भाषा में अर्थ है चांदी। इस राज्य का यह नाम यहां पाई जाने वाली टिन की खानों के कारण पड़ा जिसका पेराक के इतिहास और अर्थव्यवस्था पर काफी गहरा प्रभाव रहा। पेराक की राजधानी ईपोह भी साफ सुथरे पार्क, चैड़ी सड़कों व आकर्षक ऐतिहासिक इमारतों के कारण दर्शनीय है। क्वाला कांगसार पेराक का शाही शहर है और यहां की प्राचीन खूबसूरत इमारतों में उबूदिहाह मसजिद व इस्कंदारियाह महल खास हैं। उबूदियाह मसजिद का निर्माण पेराक के 28वें सुलतान इदरीस मुर्शिदुल अदजाम शाह प्रथम के जमाने में शुरू हुआ पर इसके पूरा होने में काफी अड़चनें आई। प्रथम विश्वयुद्ध के दौरान हाथियों द्वारा यहां के इटैलियन मार्बल के फर्शो को तोड़ दिया गया और इसका उद्घाटन 1917 में हो सका। लगभग 100 वर्ष से भी अधिक पुराना रबर का पेड़ भी क्वाला कांगसार में दर्शनीय है। इसके अलावा पेराक की लाइमस्टोन गुफाएं और उनमें बौद्ध चित्रकला व बुद्ध की विशाल प्रतिमाएं भी देखने लायक हैं। लेटे हुए भगवान बुद्ध की 24 मीटर लंबी प्रतिमा के दर्शन करने हों, जो मलेशिया में सबसे लंबी प्रतिमा है, तो थाई बौद्ध मंदिर मेकप्रसित जाएं। यह ईपोह से तीन किलोमीटर उत्तर की ओर है। परिवार सहित आने वाले पर्यटकों के लिए आधुनिक राइड व झूलों से लैस बुकिट मेराह थीम पार्क भी यहां है, जो 600 हेक्टेयर में फैले लेक टाउन रिसोर्ट का एक हिस्सा है। पेराक टांग, सैम पोह टांग, शाही मसजिद, जैपनीज गार्डन, दारुल रिदजुआन संग्रहालय, ताम्बुन, सुंगकाई हिरण फार्म, क्वाला वोह जंगल पार्क, लता इस्कंदर वाटर फॉल आदि भी परोक के मुख्य दर्शनीय स्थलों में से हैं।

रोशनी के बाग में

क्वालालम्पुर देखने की उत्सुकता ने हमें चैथे दिन मलेशिया की राजधानी पहुंचा दिया। गार्डन सिटी ऑफ लाइट्स कहे जाने वाले अपने शहर को यहां के लोग प्यार से केएल कहते हैं। 88 मंजिलों वाले विश्व के सबसे ऊंचे फ्री स्टैंडिंग टॉवर्स पेट्रोनाज ट्विन टॉवर्स क्वालालम्पुर में प्रवेश करते ही दिखने लगते हैं। इस्लाम के पांच स्तंभों से प्रेरित यह इमारत मलेशिया की पहचान है। रात को ये टॉवर्स इतने खूबसूरत दिखते हैं कि इनकी ओर से आंखें हटाने की इच्छा नहीं होती। क्वालालम्पुर सिटी सेंटर के बीचोंबीच निर्मित पेट्रोनाज टॉवर्स मलय व आधुनिक आर्किटेक्चर का बेमिसाल नमूना है। इसके भीतर पेट्रोनाज फिलहारमोनिक हॉल है तथा पेट्रोनाज परफॉर्मिंग आर्ट्स ग्रुप भी। क्वालालम्पुर में हमने विश्व की चैथी सबसे लंबी (421 मीटर) तथा एशिया की सबसे ऊंची मीनार क्वालालम्पुर भी देखी, जिसके भीतर जाकर ऑब्जर्वेटरी डेक से आप पूरे क्वालालम्पुर तथा क्लैंग वैली का नजारा देख सकते हैं। यहां के रिवॉल्विंग रेस्टोरेंट में कई तरह के स्वादिष्ट भोजन का मजा लेते हुए आप क्वालालम्पुर की एक-एक इमारत, पार्क, संग्रहालय व घर आदि दूरबीन से देख सकते हैं। क्वालालम्पुर टॉवर दूरसंचार नेटवर्क, रेडियो व टीवी स्टेशन की ट्रांसमिशन टॉवर भी है।

अमेरिका ने पाकिस्तान से ऑयल डील की

तेल खोजने और निकालने में मदद करेगा, ट्रम्प बोले- क्या पता एक दिन पाक भारत को तेल बेचे

एजेंसी

वॉशिंगटन, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने पाकिस्तान के साथ ऑयल डील होने का ऐलान किया है। इसके तहत पाकिस्तान के तेल भंडारों का विकास करेंगे।

साथ ही उन्होंने दावा किया कि पाकिस्तान भविष्य में भारत को तेल बेच सकता है। ट्रम्प का यह बयान ऐसे समय आया है, जब कुछ ही घंटे पहले उन्होंने भारत पर टैरिफ लगाने की घोषणा की थी।

पाकिस्तान की समुद्री सीमा में पिछले साल सितंबर में तेल और गैस का एक बड़ा भंडार मिला था।

पाकिस्तानी मीडिया हाउस डॉन के मुताबिक, इलाके में एक सहयोगी देश के साथ मिलकर 3 साल तक सर्वे किया गया था। इसमें बाद तेल और गैस रिजर्व की मौजूदगी की पुष्टि हुई।

कुछ रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह भंडार दुनिया का चौथा सबसे बड़ा तेल और गैस का भंडार होगा। फिलहाल वेनेजुएला में तेल का सबसे बड़ा रिजर्व है, जहां 34 लाख बैरल तेल है। वहीं, अमेरिका का सबसे शुद्ध तेल का भंडार है, जिसे अब तक इस्तेमाल नहीं किया गया। रिपोर्ट के मुताबिक, भंडार से जुड़ी रिसर्च पूरी करने में करीब 42 हजार करोड़ का खर्च आएगा। इसके बाद समुद्र की गहराई से इसे निकालने में 4-5 साल लग सकते हैं। अगर रिसर्च सफल रही तो तेल और गैस को निकालने के लिए कुएं लगाने और बाकी इन्फ्रास्ट्रक्चर बनाने में और ज्यादा पैसे की जरूरत होगी। पाकिस्तानी अधिकारियों ने तेल और गैस भंडार मिलने को देश की 'ब्लू वाटर इकोनॉमी' के लिए अच्छा बताया है।

समुद्री रास्तों, नए बंदरगाहों और सामुद्रिक नीति (मैरीटाइम पॉलिसी) के जरिए अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देना ही ब्लू इकोनॉमी कहलाता है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने बुधवार को भारत पर 1 अगस्त से 25% टैरिफ लगाने का ऐलान किया है। उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट लिखी- भारत, रूस से हथियार और ऑयल खरीद रहा है, इसलिए उस पर जुमार्ना भी लगाएंगे। ट्रम्प ने एक और पोस्ट में कहा कि अमेरिका के साथ भारत का व्यापार घाटा बहुत ज्यादा है, इसलिए वे भारतीय सामानों पर टैरिफ लगा रहे हैं। राष्ट्रपति ट्रम्प के फैसलों पर भारत सरकार ने कहा है कि इस फैसले के असर को समझ रही है और देश के हितों को बचाने के लिए हर जरूरी कदम उठाएगी। पाकिस्तान सरकार ने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प को 2026 के नोबेल पीस प्राइज के लिए नॉमिनेट किया है।

पाकिस्तान का कहना है कि भारत-पाकिस्तान युद्ध के दौरान ट्रम्प की कूटनीतिक पहल और मध्यस्थता ने एक बड़े युद्ध को टालने में मदद की। पाकिस्तान सरकार के आधिकारिक बयान के मुताबिक, ट्रम्प ने नई दिल्ली और इस्लामाबाद दोनों से बात कर संघर्ष विराम में अहम भूमिका निभाई। इससे दो न्यूक्लियर पावर वाले देशों के बीच युद्ध की आशंका टल गई।

6 भारतीय कंपनियों पर ट्रम्प ने बैन लगाया

कहा- ईरान से चोरी-छिपे कारोबार किया; ईरान बोला- अमेरिका इकोनॉमी को हथियार की तरह इस्तेमाल कर रहा

एजेंसी

वॉशिंगटन, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने बुधवार देर रात ईरान से प्रतिबंधित रसायन और पेट्रोकेमिकल उत्पादों की खरीद करने वाली 24 कंपनियों पर प्रतिबंध लगा दिया। इनमें 6 भारतीय कंपनियां भी हैं। इसके अलावा चीन की 7, यूएई की 6, हॉन्गकॉन्ग की 3, तुर्किये और रूस की 1-1 कंपनी शामिल हैं। अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने इन प्रतिबंधों की घोषणा की। मंत्रालय का कहना है कि इन कंपनियों ने 2024 में ईरानी मूल के 1000 करोड़ रुपए से ज्यादा के उत्पाद यूएई के रास्ते मंगवाए। ईरान इस पैसे से न्यूक्लियर प्रोग्राम बढ़ा रहा है और आतंकी फंडिंग कर रहा है। ईरान पर 2018 से प्रतिबंध है। ये प्रतिबंध ईरान पर अमेरिका की मैक्सिमम प्रेशर की नीति का हिस्सा हैं। अमेरिका का दावा है कि ईरान अपने तेल और पेट्रोकेमिकल उत्पादों की बिक्री से जो आमदनी करता है, उसका इस्तेमाल मध्य पूर्व में अस्थिरता फैलाने और आतंकी संगठनों को समर्थन देने में करता है। अमेरिका ने कहा है कि प्रतिबंधों का मकसद सजा देना नहीं, बल्कि व्यवहार में बदलाव लाना है। प्रतिबंधित कंपनियां अगर चाहें, तो अमेरिकी ट्रेजरी विभाग से प्रतिबंध हटाने की अर्जी दे सकती हैं। इस कार्रवाई में भारत के अलावा तुर्की, चीन, यूएई और इंडोनेशिया की कुछ कंपनियों को भी निशाना बनाया गया है। अमेरिका के मुताबिक, ये कंपनियां ईरान के तेल व्यापार में सहयोग कर रही थीं। इन कंपनियों की अमेरिका में मौजूद सभी संपत्तियों और अमेरिकी नागरिकों/कंपनियों के साथ इनके लेनदेन को तुरंत फ्रीज कर दिया गया है। कोई अमेरिकी व्यक्ति या कंपनी इन प्रतिबंधित कंपनियों के साथ व्यापार नहीं कर सकती। इसके अलावा इन कंपनियों की जिन दूसरी कंपनियों में हिस्सेदारी 50% से अधिक है, वे भी इन प्रतिबंधों के दायरे में आ जाएंगी। अमेरिका ने इस साल दूसरी बार भारतीय कंपनियों पर प्रतिबंध लगाए हैं।

इससे पहले इस साल फरवरी में भी उसने भारत की 4 कंपनियों को बैन किया था। इन कंपनियों पर भी ईरानी पेट्रोलियम प्रोडक्ट्स की बिक्री और ट्रांसपोर्ट में मध्यस्थता का आरोप लगाया था। अमेरिका के मुताबिक इन कंपनियों की मदद से ईरान के ऑयल एक्सपोर्ट को अवैध शिपिंग नेटवर्क के जरिए अंजाम दिया जाता है।

ऑस्ट्रेलिया में यूट्यूब अकाउंट के लिए 16 साल उम्र जरूरी

10 दिसंबर से लागू होगा नियम; पिछले साल सोशल मीडिया इस्तेमाल पर कानून बना था

एजेंसी

कैनबरा, ऑस्ट्रेलिया में 16 साल से कम उम्र के बच्चे 10 दिसंबर से यूट्यूब पर अकाउंट नहीं बना पाएंगे। हालांकि, ये यूट्यूब का इस्तेमाल कर सकेंगे यानी यूट्यूब पर वीडियो देख सकेंगे। ऑस्ट्रेलिया के संचार मंत्री अनीका वेल्स ने बुधवार को यह जानकारी दी। पिछले साल नवंबर में ऑस्ट्रेलिया ने 16 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए सोशल मीडिया बैन करने का बिल संसद से पास किया था। इसमें फेसबुक, इंस्टाग्राम, स्नैप चैट, टिकटॉक और एक्स जैसे प्लेटफॉर्म्स शामिल थे। तब यूट्यूब को इस कानून से छूट दी गई थी। ऑस्ट्रेलिया ऐसा करने वाला दुनिया का पहला देश है। इस कानून में माता-पिता की सहमति या पहले से मौजूद खातों के लिए कोई छूट नहीं दी गई है। प्लेटफॉर्म के पास प्रतिबंध को लागू करने के तरीके पर काम करने के लिए कानून बनने के बाद से एक साल का वक्त है। गेमिंग और मैसेजिंग ऐप्स पर बैन नहीं यह जिम्मेदारी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स की होगी कि इस उम्र के बच्चे प्लेटफॉर्म पर अकाउंट न बना पाएं। ऐसा न करने पर प्लेटफॉर्म्स पर 5 करोड़ ऑस्ट्रेलियाई डॉलर यानी करीब 282.34 करोड़ रुपए तक का जुमार्ना लग सकता है। हालांकि, प्लेटफॉर्म यूजर्स को अपनी उम्र साबित करने के लिए पासपोर्ट और ड्राइविंग लाइसेंस जैसे दस्तावेज अपलोड नहीं करने होंगे। ऑनलाइन गेमिंग, मैसेजिंग, एजुकेशन और हेल्थ ऐप्स को इस प्रतिबंध से बाहर रखा गया है।

राज्यसभा में गूंजा एसआईआर का मुद्दा

विपक्ष का संसद के अंदर से लेकर बाहर तक विरोध प्रदर्शन

एजेंसी

इंडिया ब्लॉक के सांसदों ने बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के खिलाफ कड़ा विरोध प्रदर्शन किया और भाजपा नीत केंद्र पर अनियमितताएं बरतने और निशाना बनाने का आरोप लगाया। परिसर में प्रदर्शन करने के बाद बिहार में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) सहित विभिन्न मुद्दों पर विपक्षी दलों के सदस्यों के हंगामे के कारण बृहस्पतिवार को राज्यसभा की बैठक शुरू होने के पंद्रह मिनट बाद ही दोपहर बारह बजे तक स्थगित कर दी गई। उच्च सदन में हंगामे की वजह से आज भी शून्यकाल नहीं हो पाया। दस्तावेज सदन के पटल पर रखवाए बैठक शुरू होने पर उपसभापति हरिवंश ने आवश्यक दस्तावेज सदन के पटल पर रखवाए। इसके बाद उपसभापति ने भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) और अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा के बीच साझेदारी के तहत बुधवार को जीएसएलवी रॉकेट से निसार उपग्रह को कक्षा में स्थापित किये जाने का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि निसार पृथ्वी अवलोकन उपग्रह को दोनों अंतरिक्ष एजेंसियों द्वारा संयुक्त रूप से विकसित किया गया है। उन्होंने कहा कि यह इसरो और नासा के बीच रणनीतिक सहयोग के तहत किया गया है। इसरो के जीएसएलवी एफ-16 ने बुधवार को लगभग 19 मिनट की उड़ान के बाद और लगभग 745 किलोमीटर की दूरी पर निसार (नासा-इसरो सिंथेटिक एपर्चर रडार) उपग्रह को सूर्य तुल्यकालिक ध्रुवीय कक्षा (एसएसपीओ) में स्थापित कर दिया। उपसभापति ने इसरो से संबद्ध वैज्ञानिकों, अधिकारियों और अन्य सभी लोगों तथा नासा की समन्वय टीम को अपनी, सदन की और पूरे देश की ओर से बधाई दी। इसके बाद हरिवंश ने सदस्यों ने शून्यकाल तथा प्रश्नकाल चलने देने का अनुरोध करते हुए कहा कि सत्र की शुरूआत से गतिरोध के कारण करीब 30 घंटे का समय बर्बाद हो चुका है। उन्होंने कहा कि हमें यह आत्मावलोकन करना होगा कि संसद को लेकर हमने जो संकल्प लिया था, क्या उस संकल्प को हम पूरा कर पा रहे हैं उन्होंने बताया कि उन्हें 28 नोटिस नियम 267 के तहत मिले हैं जिनमें बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण, ओडिशा में महिलाओं और बच्चों के कथित उत्पीड़न, बंगाली कामगारों के साथ दूसरे राज्यों में कथित दुर्व्यवहार, छत्तीसगढ़ में दो ननों की गिरफ्तारी, अमेरिका द्वारा भारत पर लगाए गए 25 फीसदी कर और जुमार्ने के दुष्प्रभाव तथा उपराष्ट्रपति पद से जगदीप धनखड़ के अचानक इस्तीफे के मुद्दे पर नियत कामकाज स्थगित कर तत्काल चर्चा कराए जाने की मांग की गई है।

परिसर में प्रदर्शन करने के बाद बिहार में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) सहित विभिन्न मुद्दों पर विपक्षी दलों के सदस्यों के हंगामे के कारण बृहस्पतिवार को राज्यसभा की बैठक शुरू होने के पंद्रह मिनट बाद ही दोपहर बारह बजे तक स्थगित कर दी गई।

कहीं ऐसा तो नहीं कि खबरें दबाने के लिए...

मालेगांव ब्लास्ट केस में एनआईए कोर्ट के फैसले पर बोले अखिलेश

एजेंसी

समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने गुरुवार को पूछा कि क्या मालेगांव विस्फोट मामले के आरोपियों को बरी करने की खबर का मकसद अमेरिका द्वारा भारत पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाने की बड़ी खबर को दबाना है। राष्ट्रीय राजधानी में पत्रकारों से बात करते हुए, अखिलेश यादव ने कहा, मैंने रिपोर्ट नहीं पढ़ी, लेकिन इतनी बड़ी घटना में शामिल आरोपियों को सजा मिलनी चाहिए। अमेरिका में इतनी बड़ी घटना हुई, क्या यह खबर उसे दबाने के लिए है? टैरिफ एक बड़ा सवाल है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि जो बात आप समझ रहे हो वही मैं समझ रहा हूं। जो आप कहना नहीं चाहते वो मैं नहीं कह रहा। कहीं ऐसा तो नहीं कि खबरें दबाने के लिए खबर आ रही हो?। अखिलेश यादव ने आगे कहा कि भारत को चीन से भी खतरा है। उन्होंने कहा कि हमारा पड़ोसी देश हमारी अर्थव्यवस्था को तबाह कर देगा। भारत को चीन से भी बड़ा खतरा है। चीन हमारी जमीन और हमारा व्यापार भी छीन रहा है। सरकार को चीन से सावधान रहने की जरूरत है। मुंबई की एनआईए विशेष अदालत ने आज 2008 के मालेगांव विस्फोटों के सभी सात आरोपियों को बरी कर दिया। अदालत ने कहा कि अभियोजन पक्ष मामले को उचित संदेह से परे साबित करने में विफल रहा। इस बीच, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने ट्रुथ सोशल अकाउंट पर एक सोशल मीडिया पोस्ट में 1 अगस्त से भारत पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाने की घोषणा की। ट्रंप ने यह भी कहा कि रूस से तेल खरीदने पर भारत को अतिरिक्त दंड का सामना करना पड़ेगा। इसके अलावा, ट्रंप ने रूस से सैन्य उपकरण और कच्चा तेल खरीदने के लिए अतिरिक्त जुमार्ना लगाने का भी फैसला किया। यह आश्चर्यजनक घोषणा ऐसे समय में की गई है जब एक दिन पहले ही भारतीय अधिकारियों ने कहा था कि एक अमेरिकी व्यापार दल व्यापार समझौते पर बातचीत करने के लिए 25 अगस्त से भारत का दौरा करेगा।

कर विभाग, नगर निगम प्रयागराज जोन कार्यालय जोन-01 खुल्दाबाद,

सार्वजनिक सूचना

एतद द्वारा निम्नलिखित भवन संख्या के स्वामियों क्रेतागणों, वारिसानों व अन्य सम्बन्धियों को सूचित किया जाता है कि निम्न भवनों के नाम परिवर्तन की कार्यवाही कर विभाग जोन-01 खुल्दाबाद में विचाराधीन है। सम्बन्धित पक्षों को धारा 213 की नाटिस पंजीकृत डाक से भेजी जा चुकी है एवं सम्बन्धित भवन पर चस्पा करवाई गई है। आपत्तिकर्ता सम्पूर्ण प्रमाणों सहित विज्ञापन की तिथि से 15 दिनों के अन्दर आपत्ति दाखिल कर दे अन्यथा एक पक्षीय कार्यवाही पूर्ण हो जायेगी ।

क्र. सं.	रजि0 सं.	भवन संख्या	अभिलेखों में दर्ज नाम	दर्ज होने वाले का नाम	दर्ज आधार पंजीकृत
1	162	सी /307/7,करेली स्कीम	जुबैदा फारूकी	मो0 समीर फारूकी आदि	वरासतन
2	163	187/9/1, करेलाबाग	मोहम्मद अरशद	इकबाल अहमद	पं0 बैनामा
3	164	55/11 ए/बी. भावापुर	प्रतिमा		
4	165	14ए, हिम्मतगंज	शतरूपा निगम	साधना निगम अमित निगम	वरासतन
5	166	133एल/2के /1डी,बेनीगंज	ऊषा राय	भूषण पाण्डेय	बैनामा
6	167	3/1/1, बेनीगंज	जितेन्द्र कुमार	पंकज वर्मा	बैनामा
7	168	27/156, निहालपुर	गयादीन यादव गयादीन यादव	मनीष कुमार	दान
8	169	138सी / 222सी / 213, झूलेलाल नगर	दीपक कुमार	नैन्सी सिंह	बैनामा
9	170	2/3के / 1, बेनीगंज	देवेन्द्र कुमार	सावित्री देवी आदि	वरासतन
10	171	274/9एम/ 45, बेनीगंज	अरूण कुमार	संजय कुमार मिश्रा	बैनामा
11	172	222 क्यू / 1आर/ एफ 1/ एफएफ चकनिरातुल	सतीश श्रीवास्तव	नीता दर पत्नी विरात दर	बैनामा
12	173	129ए / एच/2,हिम्मतगंज	नीलू अग्रवाल	सृष्टि अग्रवाल पत्नी अंकीत अग्रवाल	वरासतन
13	174	129ए / 5एफ, हिम्मतगंज	नीलू अग्रवाल	सृष्टि अग्रवाल पत्नी अंकित अग्रवाल	वरासतन
14	175	954/194, चकिया	मंगली प्रसाद	शुभम श्रीवास्तव	वरासतन
15	176	35डी / 1सी, लूकरगंज	दया शंकर शर्मा	बीना देवी आदि	प0 दान पत्र
16	177	सी 682/1, करेली 1	फिरोज आलम सिद्दीकी	हसन आलम सिद्दीकी	वरासतन
17	178	96ई/5सी, करेली	यशोदा देवी	हरी लाल गुप्ता	वरासतन
18	179	47ए/5ए/1जे,कसारी मसारी	सूफिया	गुलनार	पं0 बैनामा
19	180	48के / 12/26बी, करेली	शाईन	सना अनवर	वरासतन
20	181	646/137ई/ 6, ओम प्रकास सभासद नगर	रामेश्वर मिश्रा	कलावती देवी	प0 बैनामा
21	182	97/2एफ/1ए /73,करेलाबाग	जुलेखा बीबी (विभाजन)	कुसुम केसरवानी प0 बैनामा	
22	183	269/196/1, करेली	कमला कान्त शुइल	गौरी	वरासतन
23	184	158/1ए,ओ0पी0एस0 नगर	शिवेन्द्र कुमार	अवनीस कोदड आदि	वरासतन
24	185	182/9वी,ओ0पी0अस0 नगर	सुधा पाण्डेय आदि	सरला आदि	पं0 बैनामा
25	186	255ए / 7, करेली	सुरेश कुमार विश्वाकर्मा	शशि प्रभा	वरासतन
26	187	बी 632. करेली	मुशीर अहमद	समरीन रिजवी	पं0 बैनामा
27	188	206एम / 9एल /10जे /1. कसारी मसारी	जयेश मिश्र	कुलदीप शुबूला आदि	पं0 बैनामा
28	189	बी 614 / 2, करेली	भोलानाथ गुप्ता	शिवपती देवी	वरासतन
29	190	ई19/7, करेली स्कीम	कासिम पुत्र अनवर अहमद	एमन्यू निशान पत्नी एजाज हुसैन	पं0 बैनामा
30	191	37ई/ 3 / 3के, करेली	कहकशा बानों	मोहम्मद अमन	पं0 बैनामा
31	192	जे 66, करेली	मोहम्मद मसीह	मोहम्मद मासूब	पं0 बैनामा
32	193	105 / 67/ ए2 / 1जे सी, झूलेलाल नगर	एस0सी0 श्रीवास्तव	अन्जू माथुर पत्नी राम कुमार माथुर	पं0 बैनामा
33	194	68/128, चकिया	पृथ्वी लाल	सगीर अहमद	वसीयत
34	195	232/124/2. हिम्मतगंज	कृष्ण अग्रवाल	सीमा अग्रवाल	वसीयत
35	196	168/115ए,सुल्तानपुरभावा	मो0 अशरफ	संदीप कुमार केसरवानी	बैनामा
36	197	39/32ए/1, भावापुर	विद्यावती	संदीप कुमार केसरवानी	बैनामा
37	198	12/129/1, निहालपुर	शमशेर अली	बाबर अली पुत्र मोहम्मद अली	बैनामा
38	199	26/17जेड / 1, लूकरगंज	गौरी गौड	नितिन कुमार मोदनवाल	पं0 बैनामा
39	200	133एल / 2के/1डी,बेनीगंज	ऊषा राय (विभाजन)	कुमारी शेफाली का विभाजन होगा	पं0 बैनामा
40	201	198/7डी /ए,ओम प्रकाश सभासद नगर	राम सूरत शर्मा	राज कुमार शर्मा	पं0 वसीयत
41	202	डी0एल0 16, करेली	सबीना बानों आदि	मा0 आसिफ	पं बैनामा
42	203	122/127, ओ0पी0एस0	बसन्ती देवी आदि	कुश श्रीवास्तव व शेष नाम यथावत रहेगा	वरासतन
43	204	58/513बी, हिम्मतगंज	सुनील कुमार	तारा चन्द्र पुत्र स्वद छेदी लाल	बैनामा
44	205	333 / 177, हिम्मतगंज	सीता राम	अनिल कुमार जयसवाल	वरासतन

जोनल अधिकारी, जोन-01
नगर निगम प्रयागराज

पत्रांक सं0—डी03536/ दी0—31/07/25